छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी की गृह पत्रिका

संकल्प

मार्च-अप्रैल 2023 | वर्ष-20 | अंक - 02

जनरेशन कंपनी ने बनाया देश में छठवां स्थान

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत संयंत्र, कोरबा का विहंगम दृश्य

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी की गृह पत्रिका

संकल्प

मार्च-अप्रैल 2023 | वर्ष-20 | अंक - 02

संरक्षक

श्री अंकित आनंद (IAS)
अध्यक्ष

श्रीमती उज्जवला बघेल
प्रबंध निदेशक
(ट्रांसमिशन)

श्री मनोज खरे
प्रबंध निदेशक
(डिस्ट्रीब्यूशन)

श्री एस. के. कटियार
प्रबंध निदेशक
(जनरेशन)

संपादक

गोविंद पटेल
प्रबंधक (जनसंपर्क)

सह संपादक : अनामिका मण्डावी

छाया : संजय टेम्बे, सहयोग : प्रसन्न दुबे

▪ फोन: 0771-2574702 ▪ E-mail: procsphcl@gmail.com

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी

विद्युत प्रगति पटल

	नवम्बर 2000	मार्च 2023
ताप विद्युत क्षमता	1240 मेगावॉट	2840 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.7 मेगावॉट
कुल ताप , जल विद्युत क्षमता	1360 मेगावॉट	2978.70 मेगावॉट
क्षमता वृद्धि	.....	1618.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेन्द्रों की संख्या	27 नग	130 नग
अति उच्चदाब लाइन की लंबाई	5205 सर्किट किमी	13,820 सर्किट किमी
33/11 केव्ही उपकेन्द्रों की संख्या	248 नग	1352 नग
33 केव्ही लाइनों की लंबाई	6,988 सर्किट किमी	24,408 सर्किट किमी
11/04 केव्ही उपकेन्द्र की संख्या	29,692 नग	2,17,311 नग
11 केव्ही लाईनों की लम्बाई	40,556 किमी	1,30,040 किमी
निम्नदाब लाइनों की लम्बाई	51,314 किमी	2,24,723 किमी
निम्नदाब उपभोक्ताओं की संख्या	18,90,998	61,52,168
उच्चदाब उपभोक्ताओं की संख्या	530	3,589
विद्युतीकृत पंपों की संख्या (प्रावधिक)	73,369	5,17,091

220/132/33 केवी विद्युत उपकेंद्र डोमा (रायपुर)

जल्द लागू होगी कैशलेस चिकित्सा सुविधा- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ जीरो पॉवर कट प्रदेश है और सरकार बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के अनुरूप अपनी ऊर्जा उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। 15 अप्रैल को रायपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय पॉवर इंजीनियर्स कॉन्क्लेव 2023 में मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि राज्य शासन की हाफ बिजली बिल योजना से आम लोगों को काफी लाभ हुआ है। विगत चार वर्षों में 42 लाख उपभोक्ताओं को 34 सौ करोड़ से अधिक रूपए की छूट दी गई है। मुख्यमंत्री ने राज्य की विद्युत आवश्यकताओं में बढ़ोत्तरी का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष 2018 में जहां पीक डिमांड 4100 मेगावॉट थी, वहीं 2023 में यह मांग बढ़कर 5700 मेगावॉट से ज्यादा हो गई फिर भी प्रदेश में बिजली आपूर्ति निर्बाध गति से चल रही है।

कान्क्लेव को संबोधित करते हुए उन्होंने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ पॉवर कम्पनीज के अधिकारी-कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा जल्द लागू की जाएगी। इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ पॉवर कम्पनीज के अभियंता संवर्ग को 3 प्रतिशत तकनीकी भत्ता दिए जाने की घोषणा भी उन्होंने की।

कॉनक्लेव के प्रारंभ में मुख्यमंत्री श्री बघेल ने छत्तीसगढ़ महतारी और भारत रत्न एम. विश्वेश्वरैया के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि पहले लोग बिना बिजली के भी जीवन यापन कर लेते थे, किंतु अब बिना बिजली के जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। बिजली विलासिता का साधन नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुकी है।

उन्होंने कहा कि राज्य स्थापना के समय 300 यूनिट प्रति व्यक्ति बिजली की खपत थी, जो अब बढ़कर 2000 यूनिट प्रति व्यक्ति हो चुकी है। लगातार बढ़ती हुई विद्युत खपत और उसी के अनुरूप विद्युत आपूर्ति राज्य के तीव्र विकास का सूचक है। उन्होंने शासन के महत्वपूर्ण निर्णय का उल्लेख करते हुए कहा कि कोरबा में 1320 मेगावाट की सुपर क्रिटिकल यूनिट की स्वीकृति दी गई है, जो प्रदेश को जीरो पॉवर कट स्टेट बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण को दृष्टिगत रखते हुए ग्रीन एनर्जी को वर्तमान समय की आवश्यकता बताया और कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में हम सभी ने ऑक्सीजन के महत्व को भी समझा है। छत्तीसगढ़ में ग्रीन एनर्जी की संभावनाओं पर भी कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में 5 हाईडल प्लांट लगाए जा सकते हैं, जिससे विद्युत उत्पादन के लिए थर्मल पॉवर प्लांट पर निर्भरता कम की जा सकती है। कॉन्क्लेव को छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष एवं ऊर्जा सचिव श्री अंकित आनंद, राज्य विद्युत विनियामक आयोग के अध्यक्ष श्री हेमंत वर्मा ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर संसदीय सचिव एवं रायपुर पश्चिम के विधायक श्री विकास उपाध्याय, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड की प्रबंध निदेशक श्रीमती उज्ज्वला बघेल, छत्तीसगढ़ स्टेट डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री मनोज खरे, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री संजीव कुमार कटियार सहित प्रदेश भर से आये विद्युत अभियंता उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने ऊर्जा विभाग के कार्यों की समीक्षा की

मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने ऊर्जा विभाग के विभिन्न विकास कार्यों एवं संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। 21 अप्रैल को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य सचिव श्री जैन ने राज्य शासन की प्राथमिकता वाली ऊर्जा विभाग की योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

मुख्य सचिव ने विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए अत्याधुनिक ऑनलाईन शिकायत एवं निराकरण प्रणाली विकसित करने की योजना के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। ऊर्जा विभाग के सचिव

एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष श्री अंकित आनंद ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुसार मोर बिजली मोबाईल ऐप के माध्यम से बिजली से संबंधी ऑनलाइन शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त विद्युत संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिए टोल फ्री नम्बर 1912 का उपयोग किया जा रहा है। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को शासन के विभागों, उद्योगों सहित अन्य उपभोक्ताओं से लंबित विद्युत शुल्क की वसूली के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने किसानों की सुविधा के लिए नदी के किनारों में विद्युत लाइन की व्यवस्था, नवीन पॉवर प्लांट, ग्रामीण क्षेत्र में सेपरेट-एग्री फीडर और रीवेम्पड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के संबंध में विस्तार से जानकारी ली।

मुख्य सचिव ने उन बसाहटों और मजरा टोला जहाँ कोई घर विद्युतीकरण से छूट गया है, तो इसके विद्युतिकरण के लिए व्यापक कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रबंध निदेशक श्रीमती उज्जवला बघेल, श्री संजीव कुमार कटियार, मुख्य अभियंता श्री राजेंद्र प्रसाद एवं क्रेडा के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने किया 132 केवी सब-स्टेशन का लोकार्पण

माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने राजनांदगाँव के छुरिया विकासखंड में 26 मार्च को आयोजित किसान महासम्मेलन के दौरान उन्होंने विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के 132/33 केवी सब-स्टेशन महाराजपुर ग्राम भंडारपुर (छुरिया) का शिलान्यास किया। इसकी लागत 64.14 करोड़ रूपए है। इसके अलावा 52 किलोमीटर 132/33 केव्ही डीसीडीएस ठेलकाडीह (राजनांदगांव) महाराजपुर

(भंडारपुर) पारेषण लाईन निर्माण का भी शिलान्यास किया गया। इसकी लागत 35 करोड़ 22 लाख रूपए है। साथ ही दो स्थानों पर 132 केव्ही फीडर बे , 220/132 केव्ही उपकेन्द्र ठेलकाडीह (राजनांदगांव) महाराजपुर (भंडारपुर) के निर्माण की नींव रखी। मुख्यमंत्री ने पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के नवनिर्मित 33/11 केव्ही बम्हनी चारभाटा उपकेन्द्र का लोकार्पण भी किया। जिसका निर्माण दो करोड़ 41 लाख रूपए से किया गया है। श्री बघेल ने कहा कि प्रदेश तेजी से विकास कर रहा है और इसी के साथ ऊर्जा जरूरतें भी बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में गुणवत्तापूर्ण बिजली की उपलब्धता शासन की प्राथमिकता में शामिल है।

मध्यप्रदेश के जमाने की मांग अब जाकर हुई पूरी, मिलेगी भरपूर बिजली

राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजनाएँ अब धरातल पर साकार होती नजर आ रही हैं। अविभाजित मध्यप्रदेश के जमाने से गरियाबंद और धमतरी जिले के क्षेत्रों में लो-वोल्टेज की समस्या दूर करने की मांग चली आ रही थी, लेकिन आदिवासी वनांचल में रिजर्व फॉरेस्ट, प्रोटेक्टेट फॉरेस्ट, रेवन्यू फॉरेस्ट, वाइल्डलाईफ और टाइगर रिजर्व क्षेत्र होने के कारण वहां बड़े टावर खड़े करने के लिए फारेस्ट क्लीयरेंस का काम पूरा नहीं हो पा रहा था।

राज्य शासन ने 2018 में इन क्षेत्रों के लिए नए 132 केवी लाइन के निर्माण के लिए 111 हेक्टेयर वन भूमि के परिवर्तन की अनुमति के लिए भारत सरकार के पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली से प्रारंभिक स्वीकृति प्राप्त की। जिसके बाद विषम परिस्थितियों में इस बहुप्रतिक्षित योजना पर काम तीव्र गति से कार्य प्रांरभ किया गया।

इस कार्य में ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध निदेशक श्रीमती उज्जवला बघेल सतत् मानिटरिंग की और निर्माणाधीन सब-स्टेशन निरीक्षण भी किया। जिसके फलस्वरूप 1 जनवरी 2023 में गरियाबंद जिले के इंदागांव में 132 केवी सब-स्टेशन का निर्माण पूर्ण कर सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया। इस कार्य के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने ट्रांसमिशन कंपनी की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। ज्ञात हो कि चमेदा से इन्दागांव तक 132 केवी लाईन निर्माण की मांग अविभाजित मध्यप्रदेश के समय से थी। गरियाबंद और धमतरी जिले के नगरी विकासखण्ड के चमेदा से इन्दागांव 233 विशाल टावर लगाए गए हैं। लगभग 68 किलोमीटर में फैले सघन वन क्षेत्र में यह का पूरा करना काफी चुनौतियों भरा था। इंदागांव के लोग 21 साल पहले लो-वोल्टेज की समस्या से मुक्ति दिलाने 132/33 सब-स्टेशन बनाने की मांग कर रहे थे। साथ ही गरियाबंद के सढौली गांव के लोग 41 साल से डायरेक्ट सप्लाई की मांग कर रहे थे, जिसे अब 170 किलोमीटर लंबी नई लाइन बिछाकर गरियाबंद-सढौली बिजली केन्द्र से सीधे सप्लाई कर दी गई है। दूरी अधिक होने के कारण मैनपुर-देवभोग किसखण्ड क्षेत्र के लोगों को नहीं के बराबर ही बिजली मिल पा रही थी, आंधी-बारिश में दो-दो दिन बिजली बंद हो जाना आम बात थी। देवभाग क्षेत्र में लो वोल्टेज के कारण टीवी, पंखा नहीं चला पाते थे। पिछले दो दशक से मैनपुर और देवभोग क्षेत्र के लोगों ने बिजली की समस्या को लेकर कई बार धरना-प्रदर्शन, चक्काजाम पदयात्रा कलेक्टोरेट घेराव भी किया गया। राज्य शासन ने उनकी समस्या को समझा और गरियाबंद व धमतरी क्षेत्र में बिजली का नया तंत्र विकसित किया, जिससे उन्हें भरपूर और निर्बाध बिजली मिलने लगी है।

अमलेश्वर में नए 132 केवी सब-स्टेशन को एमडी श्रीमती बघेल ने किया ऊर्जीकृत

राजधानी से लगे अमलेश्वर (पाटन) में 132 केवी ईएचटी सब-स्टेशन का निर्माण किया गया है। रिकार्ड समय में इसे पूरा करके ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध निदेशक श्रीमती उज्जवला बघेल ने 22 अप्रैल 2023 को ऊर्जीकृत किया।

ट्रांसमिशन कंपनी ने पखांजूर, चारामा और झलप के 132 केवी उपकेंद्रों में किया क्षमता विस्तार

दीर्घकालिक जरूरतों के आधार पर बढ़ाई जा रही उपकेंद्रों की क्षमता

पखांजूर। आदिवासी बहुल वनांचल में बेहतर विद्युत आपूर्ति के लिये छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देश पर आदिवासी क्षेत्र में विद्युत पारेषण प्रणाली को मजबूत करने विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी कड़ी में पखांजूर स्थित 132/33केवी उपकेन्द्र में 40 एमव्हीए (मेगा वोल्टएम्पीयर) क्षमता का नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध निदेशक श्रीमती उज्जवला बघेल ने इसे 20 मार्च 2023 को उर्जीकृत किया। उन्होंने कहा कि राज्य शासन की मंशा के अनुरूप ट्रांसमिशन कंपनी आदिवासी बाहुल्य इलाकों के विकास के लिये बिजली की ठोस आधारभूत संरचना विकसित कर रही है, ताकि वहां बिजली की सुनिश्चित उपलब्धता से विकास की गतिविधियों को और अधिक गति मिले। लगभग 4.25 करोड़ रूपए की लागत से किए गए इस क्षमता वृद्धि से जिले के ढाई सौ से अधिक गाँवों को गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति की जा रही है। इस उपकेंद्र की क्षमता 40 एमवीए से बढ़कर अब 80 एमवीए हो गई है। इस अवसर पर ईडी श्री एसके ठाकुर, सीई सर्व श्री अशोक कुमार वर्मा, केके भौरासे, केएस रामकृष्णा, एसीई अविनाश सोनेकर उपस्थित थे।

102 गांवों में वोल्टेज समस्या से मुक्ति, चारामा में 40 एमव्हीए का नया ट्रांसफार्मर

जगदलपुर। 132/33 केव्ही उच्चदाब विद्युत उपकेन्द्र चारामा में 40 एमव्हीए अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया। अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर के स्थापना के पश्चात उपकेन्द्र की क्षमता 80 एमव्हीए की हो गई है। वर्ष 2022 में चारामा उच्च दाब केन्द्र में 37 मेगावॉट की उच्चत्तम मांग दर्ज की गई थी, जो कि 40 एमव्हीए पॉवर ट्रांसफार्मर हेतु अधिक भार (लोड) है। अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर

के स्थापना से वितरण केन्द्र कांकेर एवं कोरर के विद्युत उपभोक्ताओं को भी सतत विद्युत आपूर्ति में मदद मिल रही है। इस उपकेंद्र से चारामा क्षेत्र के 33/11 केव्ही के सात उपकेन्द्रों तक विद्युत आपूर्ति होती है। इस अतिरिक्त ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से 102 ग्रामों में लगभग 36 हजार उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होने लगी है। इस अवसर पर ईडी श्री एसके ठाकुर, श्री डीके चावड़ा, सीई श्री केके भगत, एवं सीई श्री केएस रामकृष्णा उपस्थित थे।

झलप उपकेंद्र में 40 एमव्हीए का नया ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने झलप में 132 केवी उपकेंद्र में 40 एमवीए का नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया, जिसे 20 अप्रैल 2023 को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया। झलप उपकेंद्र 40 एमपीए क्षमता का यह तीसरा ट्रांसफार्मर है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी ने बनाया देश में छठवां स्थान

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी ने देशभर में सर्वश्रेष्ठ विद्युत उत्पादन में छठवां स्थान प्राप्त किया है। केंद्र सरकार का उपक्रम सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण) नई दिल्ली ने विभिन्न प्रदेशों के 33 स्टेट सेक्टर में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी को बेहतर परफार्मेंस के लिए यह रैंकिंग दी है।

इसके अलावा भी छत्तीसगढ़ के दो संयंत्रों ने देशभर के 200 ताप विद्युत संयंत्रों में सर्वश्रेष्ठ उत्पादन का कीर्तिमान बनाया है। केंद्र सरकार का उपक्रम सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण) नई दिल्ली हर साल इसकी रैंकिंग जारी करता है। जिसके अनुसार सीएसपीजीसीएल ने स्टेट सेक्टर में 71.19 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) के साथ छठवीं रैंकिंग हासिल की है। साथ ही कोरबा स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह और हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा सर्वाधिक विद्युत उत्पादन करने के मामले में देश के 200 संयंत्रों में से टॉप 25 संयंत्रों में शुमार हुए हैं। सीईए ने अपनी वर्ष 2022-23 की अंतरिम रिपोर्ट में यह शीर्ष रैंकिंग दी है। इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल एवं ऊर्जा विभाग के सचिव व पॉवर कंपनी के चेयरमेन श्री अंकित आनंद ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री संजीव कुमार कटियार ने बताया कि जनरेशन कंपनी के सभी संयंत्रों ने तमाम चुनौतियों के बावजूद बेहतर प्रदर्शन किया है, इसका श्रेय अधिकारी-कर्मचारियों को जाता है। जनरेशन कंपनी भारत के अन्य ताप विद्युत गृहों की तुलना में कम लागत में बिजली का उत्पादन करती है।

जनरेशन कंपनी के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत संयंत्र (डीएसपीएम) कोरबा पूर्व के 250 मेगावाट के दो यूनिट का प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) 83.30 प्रतिशत रहा। इसे 19वीं रैंकिंग प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष हसदेव ताप विद्युत संयंत्र कोरबा को 21वीं रैंकिंग हासिल हुई है। हसदेव संयंत्र का प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) 82.51 प्रतिशत रहा। यह रैंकिंग हसदेव ताप विद्युत गृह ने तब हासिल की है, जब वह अपनी उम्र के 38वें साल के पड़ाव पर है। इस संयंत्र की स्थापना 1984 में की गई थी, जिसमें 210 मेगावाट के चार यूनिट स्थापित किये गए थे। राज्य बनने के बाद 500 मेगावाट का एक यूनिट स्थापित किया गया। इन पांचों यूनिट को एक संयंत्र माना जाता है और इसकी रैंकिंग संयुक्त रूप से हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा के नाम से की जाती है।

राज्य शासन ने श्री रामाकृष्णा को नियुक्त किया डायरेक्टर

श्री के.एस. रामाकृष्णा

निदेशक
(कार्मिक एवं प्रशासन)

छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा विभाग ने श्री के.एस. रामाकृष्णा को छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी का डायरेक्टर (निदेशक-कार्मिक एवं प्रशासन) नियुक्त किया है। ऊर्जा विभाग महानदी भवन से 11 अप्रैल को जारी आदेशानुसार श्री रामाकृष्णा को एक वर्ष अथवा आगामी आदेश तक निदेशक पदस्थ किया गया है। इसके अनुपालन में उन्होंने कार्यभार ग्रहण किया। विदित हो कि श्री रामाकृष्णा ट्रांसमिशन कंपनी में मुख्य अभियंता (सिविल) के पद पर कार्यरत हैं। नवपदस्थ निदेशक श्री रामाकृष्णा ने प्रभार ग्रहण करने के पश्चात् राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए शासन की रीति-नीति के अनुरूप सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन करने प्रतिबद्धता व्यक्त की। पॉवर कंपनी के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ ही श्रमिक संगठनों के पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

रोशन हुआ अबूझमाड़ का ताड़ोनार गांव, नई लाइन से पहुंची बिजली

जगदलपुर| छत्तीसगढ़ का सबसे अनबूझा क्षेत्र माना जाता है अबूझमाड़। यहां आज भी लोग भौतिक साधनों के बिना प्रकृति के साथ जीवन जीते हैं। अत्यंत दुर्गम और धुरनक्सल क्षेत्र में आवागमन काफी कठिन है। ऐसे क्षेत्र में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने उजाला फैलाने का कार्य किया है। ग्रामीणों ने बिजली पहुंचाने पहाड़ को काट कर रास्ता बनाया और बिजली पहुंचाने में मदद की।

नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ के ग्राम ताडोनार में विद्युत लाईन 11 केव्ही 3.5 किमी एवं एलटी लाईन 3.5 किमी खींचा गया तथा ग्रामीणों के घरों में बिजली कनेक्शन दिया गया। कार्यपालक निदेशक श्री ठाकुर ने अबूझमाड़ के आकाबेड़ा में स्थापित 33/11 केव्ही का भी निरीक्षण किया। वही स्थिति रामकृष्ण मिशन आश्रम में पहुंचकर शिक्षकों से बिजली संबंधी समस्या को पूछा गया। उन्होंने बताया कि अति संवेदनशील क्षेत्र अबूझमाड़ के गांव पहाड़ी के ऊपर बसा हुआ है। जहां पहले मोबाइल का नेटवर्क नहीं होता था। यदि बिजली संबंधी कोई समस्या रहती थी तो उसकी सूचना देना मुश्किल था। शासन की योजनाओं से अब ये साधन विकसित हो रहे हैं।

बिजली व्यवस्था पर घोटुल एवं आश्रम में जा कर लोगों से बातचीत की गई तो लोगों ने बताया कि बिजली पहुंचने पर अच्छा लग रहा है। वहां के स्थानीय कर्मियों ने अपने मोबाईल नंबर उपभोक्ताओं के साथ शेयर किए और समस्या आने पर मोबाइल से जानकारी देने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान श्री एसके ठाकुर, कार्यपालक निदेशक के साथ कांकेर के अधीक्षण अभियंता श्री चन्द्रहास मरकाम, नारायणपुर के कार्यपालन अभियंता हिलोन कुमार ध्रुव उपस्थित थे।

132 केवी उपकेंद्र से पहुंची बिजली, आईआईटी हुआ रौशन

दुर्ग। 16 मार्च का दिन आईआईटी भिलाई के लिए अहम था। प्रदेश के प्रमुख शिक्षण संस्थान आईआईटी भिलाई को बिजली आपूर्ति शुरू कर दी गई। विद्युत कंपनी ने 132 के.व्ही. कुरुद उपकेन्द्र से 33 के.व्ही.लाईन खींचकर इस उच्च शिक्षण संस्थान को ऊर्जीकृत किया गया। आईआईटी कैंपस भिलाई में बिजली की जरुरत इसी लाईन से पूरी होगी। आईआईटी भिलाई के डायरेक्टर प्रोफेसर राजीव प्रकाश ने बटन दबाकर इसका शुभारंभ किया। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार आईआईटी भिलाई डॉ.जयेश चंद्र एस.पाई, मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर, अधीक्षणअभियंता(सीपीडब्ल्यूडी) श्री अनुराग कुमार, कार्यपालन अभियंता(सीपीडब्ल्यूडी) श्री विजय विश्वकर्मा, कार्यपालन अभियंता श्री ए.के.बिजौरा, सहायक अभियंता श्री श्रीकांत बड़गैया, सहित विद्युत विभाग एवं आईआईटी भिलाई के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना से बन रहे नए उपकेंद्र

माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के विभिन्न प्रवास के दौरान प्रदेशभर में विद्युत उपकेंद्र निर्माण की घोषणाएं की गई थी, जिनके कार्य अब पूर्ण होने लगे हैं। माननीय मुख्यमंत्री के निर्देश पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी बिजली की बढ़ती मांग को देखते हुए योजनाबद्ध तरीके से 33/11 उच्चदाब उपकेंद्रों का निर्माण कर रही है। मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के तहत नए उपकेंद्रों का निर्माण का बेहतर मानिटिरंग और उच्च कार्यक्षमता से रिकार्ड समय में पूरा हो रहा है।

राजनांदगांव। डोंगरगांव उपसंभाग के ग्राम अरसीटोला में नवनिर्मित 33/11 केवी उपकेन्द्र क्रियाशील हो गया है। मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के अन्तर्गत 1 करोड़ 78 लाख रू की लागत से इस उपकेन्द्र में 3.15 एमव्हीए क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है।

मुख्य अभियंता श्री टीके मेश्राम ने बताया कि इस उपकेंद्र से 23 ग्रामों के 5715 कृषक एवं ग्रामीण को निर्बाध व गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति की जा रही है। 5.50 किमी 33 केवी एवं 3.20 किमी 11 कवी की नई लाइन सृजित की गई है। केवी अवसर पर एसई श्री एसके शर्मा एवं ईई श्री पीसी साहू उपस्थित थे।

पांच हजार उपभोक्ताओं के लिए बना नया उपकेंद्र

बिलासपुर। नगर संभाग नेहरू नगर में नवनिर्मित 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र को उर्जीकृत किया गया। मुख्य अभियंता श्री जी.आनंद राव ने बताया कि लगभग 2 करोड़ की लागत से उपकेन्द्र में 5 एमव्हीए क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इससे लगभग 5 हजार उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति की जा रही है। ऊर्जीकरण के अवसर पर एसीई सर्वश्री पीके कश्यप, एसई बीपी. जायसवाल, ईई सुरेश जांगड़े, अमर चौधरी, श्रीमती तृप्ति जांगड़े उपस्थित थीं।

दो करोड़ की लागत से बना नया उपकेंद्र

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ संभाग के छुरिया उपसंभाग के अन्तर्गत ग्राम बम्हनीचारभांठा में 2 करोड़ 46 लाख रू की लागत से नवनिर्मित 33/11 के.व्ही.उपकेन्द्र का ऊर्जीकरण राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम ने किया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री एस.के. शर्मा ,कार्यपालन अभियंता श्री एन. के. साहू,श्री एस.के.चन्द्राकर,सहायक अभियंता श्री दिनेश कुमार चतुर्वेदी, श्री प्रशांत पांसे,श्री अशोक कुमार द्विवेदी सहित लाइन कर्मचारी उपस्थित थे।

नए उपकेंद्र से ढाई हजार उपभोक्ताओं को लाभ

जगदलपुर। पखांजूर संभाग के अंतर्गत नए 33/11 केव्ही उपकेन्द्र उदयपुर को ऊर्जीकृत किया गया। इस उपकेंद्र में 3.15 एमवीए का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इससे लगभग 70 वितरण ट्रांसफार्मर को लाभ मिलेगा। इस उपकेंद्र से मथुराबाजार वितरण केंद्र के 741 एवं पखांजूर उपकेंद्र के 1797 उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। नए उपकेन्द्र के शुभारंभ के अवसर पर पखांजूर नगर पंचायत अध्यक्ष श्री बापी गांगुली, ईई एके ठाकुर, बीपी दीपक, महेश नायक, आरएस करपाल उपस्थित थे।

पांच एमवीए के पॉवर ट्रांसफार्मर से विद्युत आपूर्ति

बिलासपुर। रिस्दा में लगभग 2 करोड़ की लागत से नवनिर्मित 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र को मुख्य अभियंता श्री जी.आनंद राव एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री पी.के.कश्यप की उपस्थिति में उर्जीकृत किया। उपकेन्द्र में 5 एमव्हीए क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है, जिसके माध्यम से 11 केव्ही फीडर डोडकी, रिस्दा टाउन, एवं हिर्री फीडर के 9 गांवों में विद्युत सेवा का लाभ मिलेगा। इसमें एसई श्री पीके कोमेजवार, ईई श्री सुरेश जांगड़े, श्री एन त्रिपाठी, एई श्री पीकेचौबे, श्री जितेश दिव्य एवं परियोजना, एसटीएम व मेंटेनेंस का योगदान रहा।

बिजली की मांग 5878 मेगावाट के रिकार्ड स्तर तक पहुंची

प्रदेश में आर्थिक विकास की गतिविधियों में तेजी आने और बढ़ती हुई गर्मी के कारण बिजली की मांग में रिकार्ड तेजी आई है। 18 अप्रैल की रात को प्रदेश में बिजली की अधिकतम डिमांड 5878 मेगावाट दर्ज की गई। पॉवर कंपनी ने कुशल प्रबंधन करते हुए पॉवर एक्सचेंज के माध्यम से बिजली क्रय कर विद्युत आपूर्ति को बेहतर ढंग से सुनिश्चित किया। यह प्रदेश स्तर पर अब तक की सर्वाधिक डिमांड का रिकार्ड है।

2017-18 में सर्वाधिक डिमांड 4318 मेगावाट थी। इस वर्ष उच्च मांग लगभग 5878 मेगावाट के स्तर तक पहुंच गई है। इस तरह बिजली की डिमांड में 36 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस मांग को पूरा करने जनरेशन कंपनी के सभी ताप व जल विद्युत संयंत्र पूरे लोड पर चल रहे हैं। अटल बिहारी ताप विद्युत गृह मड़वा से 900 मेगावाट से भी अधिक विद्युत उत्पादन हो रहा है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री मनोज खरे ने बताया कि पॉवर कंपनी बढ़ती मांग पर नजर बनाए हुए है। प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। बिजली की बढती हुई मांग की पूर्ति के लिये कंपनी प्रबंधन ने राज्य के समस्त विद्युत उत्पादन संयंत्रों को उच्चतम क्षमता पर चलाये जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं।

गर्मी के कारण बिजली की बढ़ती हुई मांग की आपूर्ति हेतु डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने उचित प्रबंधन किया है। इसके पूर्व 16 अप्रैल की रात को अधिकतम डिमांड 5696 मेगावाट दर्ज की गई थी, इस मांग की आपूर्ति के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी से 2505 मेगावाट बिजली प्राप्त हुई। राज्य शासन के अनुबंध के आधार पर केंद्रीय उत्पादन संयंत्रों से 2540 मेगावाट, आईपीपी (इंडिपेंडेंट पॉवर प्लांट) से 366, शार्ट टर्म ओपन एक्सेसेस के माध्यम से 127 और पंजाब राज्य से बैंकिंग के माध्यम से 200 मेगावाट बिजली की उपलब्धता रही। इस तरह प्रदेश में सर्वाधिक डिमांड के बाद भी प्रदेश में विद्युत की उपलब्धता बनी रही।

श्री खरे ने बताया कि इसके अलावा आपातकालीन व्यवस्था के तहत उपभोक्ताओं को सतत् एवं निर्बाध विद्युत प्रदाय करने बिजली क्रय भी की जाएगी। इसके लिए आईईएक्स (इंडियन एनर्जी एक्सचेंज) के माध्यम से पॉवर एक्सचेंज से आवश्यकतानुसार बिजली क्रय करने का प्रबंध किया जा रहा है। गौरतलब है कि प्रदेश में 61.20 लाख निम्नदाब (घरेलू, कृषि व अन्य) उपभोक्ता हैं। साथ ही उच्चदाब उपभोक्ताओं की संख्या 3546 है। हाफ बिजली बिल योजना से उपभोक्ताओं को राहत मिली है, जिससे बिजली की खपत बढ़ी है।

लगातार दूसरी बार वीसीए कम होने से प्रदेश में सस्ती हुई बिजली

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा इस वर्ष 2023 में लगातार दूसरी बार वीसीए में कमी के कारण बिजली की दरें कम की गई हैं। अप्रैल-मई के आगामी बिजली बिल में वीसीए (वेरिएबल कॉस्ट एडजेस्टमेंट) 43 पैसे प्रति यूनिट लगेगा। इसके पहले फरवरी-मार्च के लिए वीसीए को 1.10 से घटा कर 78 पैसे प्रति यूनिट किया गया था। इस तरह प्रदेश में बिजली की दरें दो बार में कुल मिलाकर 67 पैसे प्रति यूनिट सस्ती हो गई हैं।

गौरतलब है कि एक तरफ इस वर्ष राज्य विद्युत नियामक आयोग ने जहां विद्युत टैरिफ में किसी तरह की वृद्धि नहीं की है, वहीं दूसरी ओर वीसीए चार्ज भी कम हो गया है। इससे विद्युत उपभोक्ताओं को पर्याप्त राहत मिलेगी। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग व्दारा अधिसूचित बहुवर्षीय टैरिफ सिद्धांतों के अनुरूप विनियम 2021 की कंडिका-93 में निहित प्रावधानों के अनुपालन में वर्ष 2022-23 के व्दि-मासिक अवधि अर्थात् अप्रैल-मई 2023 के दौरान वेरियेबल कॉस्ट एडजेस्टमेंट का निर्धारण किया गया है। जिसके तहत वीसीए चार्ज 43 पैसे प्रति यूनिट निर्धारित किया गया है। यह दिसंबर 22-जनवरी 23 के बिल में 1.10 पैसे प्रति यूनिट था, वह फरवरी-मार्च 23 के बिल में 78 पैसे हो गया। इस तरह इस साल दो बार में बिजली की दरों में 67 पैसे प्रति यूनिट की कमी आई है। गौरतलब है कि वीसीए चार्ज छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी व्दारा क्रय की गई बिजली की लागत के आधार पर तय होती है। छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा संयंत्र छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी से क्रय की गई बिजली सस्ती दर पर मिली है, जिसमें आयोग व्दारा निर्धारित लागत की तुलना में 34.93 करोड़ एवं जल व सौर स्त्रोतों से 10.13 करोड़ रुपए सस्ती बिजली मिली है, जबकि एनटीपीसी से विद्युत नियामक आयोग द्वारा अनुमोदित दर की तुलना में 288 करोड़ रुपए की अधिक देने पड़ रहे हैं। विद्युत उत्पादन हेतु कोयला एवं तेल की आवश्यकता मुख्य रूप से ईंधन के रूप में विद्युत गृहों में होती है । इन दोनों प्रमुख घटकों की कीमत बाजार मूल्य के अनुरूप प्रत्येक दो माह में घटती-बढ़ती रहती है।

बड़े बकायादारों पर लगातार कार्रवाई से आई वसूली में तेजी

रायपुर | छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने व्दारा चलाये जा रहे बकाया वसूली अभियान में सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। बकाया वसूली अभियान बिना किसी भेदभाव के असरकारक तरीक़े से चलाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक मनोज खरे ने बताया कि बकाया वसूली की कार्रवाई ज्यादा असरकारक तथा परिणामोन्मुखी तरीक़े से की जा रही है, ताकि ज्यादा से ज्यादा बकाया राशि शीघ्र वसूल की जा सके। जिन उपभोक्ताओं के ऊपर ज्यादा बकाया राशि थी उन पर पहले कार्रवाई की गई है। पहले एक लाख रूपए से अधिक बकायादारों पर कार्रवाई की गई, फिर पचास हज़ार से ज्यादा बकाया राशि वाले उपभोक्ताओं को लक्ष्य किया गया है। एक लाख रुपये से ज्यादा बकाया राशि वाले उपभोक्ताओं की संख्या मार्च 2022 में 878 थी और उनके खिलाफ़ 283 करोड़ का बिल बकाया था। माह फ़रवरी में ऐसे उपभोक्ताओं की संख्या मात्र 59 और बकाया राशि सिर्फ़ 9 करोड़ रह गई

थी। इसी तरह इस अवधि में 50 हज़ार से एक लाख बकाया राशि वाले उपभोक्ताओं की संख्या 2108 से घटकर 164 रह गई है जबकि उनके विरुद्ध बकाया राशि 126 करोड़ से कम होकर मात्र 2.81 करोड़ बची है। सक्रिय उच्चदाब कनेक्शनों के ख़िलाफ़ बकाया राशि लगभग शून्य हो चुकी है। नोटिस देने के बाद गंभीर उपभोक्ताओं को माँगे जाने पर किस्तों में भुगतान करने का भी अवसर दिया जा रहा है।गैर-घरेलू (वाणिज्यिक) और औद्योगिक उपभोक्ताओं की बकाया राशि कम करने में काफी सफलता मिली है। बड़े बकायादारों पर कार्रवाई करने के बाद अब अपेक्षाकृत छोटे बकायादारों पर कार्रवाई की जा रही है। सरकारी कनेक्शनों के ऊपर लंबित बकाया राशि का भुगतान करने के लिए राज्य शासन द्वारा अलग से कदम उठाये जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान लगभग 475 करोड़ राशि सरकारी कनेक्शनों से प्राप्त हुई है। उल्लेखनीय है कि सरकारी विभागों के बिजली बिल लोकहित जैसे पेयजल सप्लाई और स्ट्रीट लाइटों से संबंधित होते हैं।

मांग के अनुरूप उपकेंद्रों में पॉवर ट्रांसफार्मर की बढ़ाई गई क्षमता

राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जहां एक ओर बिजली की खपत बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में पुराने उपकेंद्रों में बिजली की मांग अधिक होने लगी है, जिसे पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने पुराने उपकेंद्रों में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित करने की वृहद योजना बनाई है। इसका काम पूरे प्रदेश में चल रहा है। अनेक स्थानों पर कार्य पूर्ण हो गए हैं और मांग के अनुरूप विद्युत आपूर्ति की जा रही है।

जगदलपुर। ग्राम बड़गांव में स्थित 33/11 केव्ही उपकेन्द्र में 3.15 एमव्हीए का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत किया गया। कार्यपालक निदेशक श्री एसके ठाकुर ने बताया कि इससे 24 ग्रामों के 3442 उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सेवा प्राप्त हो सकेगी। इससे 11 केव्ही फीडर कोंडे एवं चिखली लाभान्वित होंगें। 11 केव्ही कोंडे फीडर की लंबाई 30 किमी एवं चिखली फीडर की लंबाई 40 किमी है। कार्यपालक निदेशक श्री ठाकुर ने बताया कि कंपनी का उद्देश्य उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली सेवा देना है, इसके लिए उपकेन्द्र का उन्नयन कर पॉवर ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं, इससे उपभोक्ताओं को लो-वोल्टेज की समस्या से छुटकारा मिलेगा। मुख्य तौर पर छिंदपाल, गुमडीडीह, कोंडे, दरगढ़, चिखली, बाहगिदा, हड़फर, सोनपाल एवं मागहूर आदि ग्राम लाभान्वित होंगे।

राजनांदगांव के 35 गांवों को निर्बाध बिजली

छुरिया उपसंभाग के ग्राम लालबहादुर नगर उपकेन्द्र में 5 एमव्हीए क्षमता का अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाया गया। राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम ने बटन दबाकर ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत किया। इसके साथ ही उपकेन्द्र में स्थापित ट्रांसफार्मर की कुल क्षणता 8.15 एमव्हीए हो गई है।

भिलाई शहर में लगा अति. पॉवर ट्रांसफार्मर

पर्याप्त वोल्टेज के साथ सतत विद्युत सप्लाई देने हेतु वीर सावरकर नगर उपकेंद्र में 05 एमव्हीए का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर चार्ज किया गया है, जिससे सुपेला जोन एवं भिलाई शहर जोन के उपभोक्ताओं को लाभ होगा। गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति मिलेगी। साथ ही लो-वोल्टेज की समस्यासे भी निजात मिलेगी।

नया उपकेंद्र बनने से 12 गांवों को मिलेगी गुणवत्तापूर्ण बिजली

बिलासपुर। पिरिया में लगभग 1.5 करोड़ की लागत से नवनिर्मित 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र को बिलासपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री जी.आनंद राव ने स्वीच ऑन कर ऊर्जीकृत किया। बिलासपुर संचा./संधा. संभाग के कार्यपालन अभियंता श्री अमर चौधरी ने बताया कि उपकेन्द्र में 5 एमव्हीए क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है, जिसके माध्यम से तीन 11 केव्ही फीडर के माध्यम से 12 गांवों के लगभग 5 हजार उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इस कार्य को सफलतापूर्वक किये जाने पर मुख्य अभियंता ने अधीक्षण अभियंता श्री पी.के कोमेजवार, कार्यपालन अभियंता श्री सुरेश जांगड़े, श्री एन. त्रिपाठी सहायक अभियंता श्री पी.के.चौबे, श्री हितेश पडवार एवं परियोजना, एसटीएम व मेंटेनेंस टीम की सराहना की।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के 20 गांवों को मिली निर्बाध बिजली

जगदलपुर। बीजापुर जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र मूसालूर उपकेन्द्र में 3.15 एमव्हीए के पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर उसे 11 अप्रैल को ऊर्जीकृत किया गया। कार्यपालक निदेशक श्री एसके ठाकुर ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुरूप त्वरित गति से कार्य पूरा किया गया। इससे क्षेत्र के लगभग 20 गांवों के 3223 उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति मिलने लगी है। बीजापुर जिले के सर्वाधिक

नक्सल प्रभावित क्षेत्र मूसालूर सहित आसपास के ग्राम के उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति नहीं होने और लो-वोल्टेज की समस्या से परेशान होना पड़ता था।

19-20 मई 2022 को बीजापुर प्रवास के दौरान ग्रामीणों की मांग पर माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर 3.15 एमव्हीए लगाने की घोषणा की थी। इससे अब वहां की क्षमता 3.15 एमव्हीए और बढ़ गई है।

5 एमवीए का पॉवर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

दुर्ग। 33/11 के.व्ही.विद्युत उपकेंद्र कैलाश नगर में 05 एमव्हीए का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर 03 मार्च को ऊर्जीकृत किया गया। मुख्य अभियंता श्री एम.जामुलकर ने बताया कि मुख्यमंत्री विद्युत अधोसरंचना विकास योजना के अंतर्गत 79 लाख रुपए की लागत से इस कार्य को पूर्ण किया गया है। इससे सात हजार उपभोक्ताओं को लाभ हुआ है। उन्होंने इस कार्य के लिए अधीक्षण अभियंता नगर वृत्त श्री तरुण कुमार ठाकुर, कार्यपालन अभियंता श्री पी.एम.शर्मा, श्री एस.के. मिश्रा एवं श्री आर.के.चन्द्राकर तथा उनकी टीम की सराहना की।

बढ़ाई गई उपकेंद्र के ट्रांसफार्मर की क्षमता

राजनांदगांव। छुरिया के ग्राम सड़क चिरचारी उपकेन्द्र में 5 एमव्हीए का नया पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया। अब इस उपकेंद्र की कुल क्षमता 8.15 एमव्हीए हो गई है। मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के तहत 57 लाख रूपए की लागत से इसे स्थापित किया गया है। 5 एमव्हीए का नया पॉवर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकरण से 43 ग्रामों के लगभग आठ हजार उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत सेवा का लाभ मिलने लगा है।। इस मौके पर मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम, एसई श्री एस.के. शर्मा उपस्थित थे।

200 गांवों में बेहतर विद्युत आपूर्ति के लिए बढ़ाई गई ट्रांसफार्मर क्षमता

रायगढ़। प्रदेश में बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी अपनी पारेषण क्षमता में लगातार वृद्धि कर रहा है। इसी कड़ी में रायगढ़ जिले के 132/33 कोडातराई उपकेन्द्र में 40 एमव्हीए क्षमता का ट्रांसफार्मर 17 मार्च 2023 को ऊर्जीकृत किया गया। प्रबंध निदेशक श्रीमती उज्जवला बघेल ने इस उपलब्धि के लिए अधिकारियों कर्मचारियों को बधाई दी है। लगभग चार करोड़ रूपए की लागत से किए गए इस क्षमता वृद्धि से जिले के दो सौ से अधिक गाँवों को

गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति की जा रही है। वनवासी बहुल इस क्षेत्र के किसानों समेत आम ग्रामीणों को लाभ मिल रहा है। कोडातराई उपकेन्द्र में 40 एमव्हीए की क्षमता वृद्धि के साथ प्रदेश की कुल पारेषण क्षमता बढ़कर 22658 एमव्हीए हो गई है। उच्चदाब ट्रांफार्मर के ऊर्जीकरण के अवसर पर ईडी श्री चंद्रशेखर सिंह , सीई श्री केके भगत , श्रीमती के घाटे, एसई सीएम वाजपेई,वीपी पटेल, आरके अग्रवाल, ईई गुंजन शर्मा, जेपी सिदार,जीआर जायसवाल, मोहित बंजारे उपस्थित थे।

स्वास्थ्य सुविधाओं के सरलीकरण हेतु चिकित्सा नियमों में बदलाव

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनियों की केन्द्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ समिति (CMEC), क्षेत्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ समिति (RMEC) एवं औषधि क्रय समिति (MPC) का पुनर्गठन किया गया है। अब समिति को निम्नानुसार दायित्वों का निर्वहन करना होगा।

1. केन्द्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ समिति के दायित्व-

* निजी चिकित्सालयों / प्रयोगशाला / डायग्नोस्टिक सेंटर / क्लीनिक इत्यादि को सूचीबद्ध करना अथवा सूची से विलोपित करने के लिये अनुशंसा करना।

* तीनों पॉवर कंपनी के नियमित कर्मचारियों एवं उनके पात्र आश्रितों के गैर निर्दिष्टता / अनुमति के प्रकरणों में जिसमें रू. 50,000/- (रूपये पचास हजार) से अधिक की चिकित्सा प्रतिपूर्ति का दावा किया गया हो, उनकी पुष्टि और भुगतान योग्य राशि की अनुशंसा करना।

टीप- यहां गैर निर्दिष्टता का अर्थ है जहाँ रेफरल / अनुमति लेना अनिवार्य था, परंतु आवश्यक रेफरल / अनुमति नहीं ली गई है, निम्न को छोड़कर

1. ऐसे प्रकरण जिनमें शासकीय चिकित्सालय/ क्लीनिक से उपचार/जांच/परामर्श लिया गया हो।
2. अधिकारिक दौरे पर अचानक बीमारी के दौरान की गई जांच सहित उपचार।
3. नियमित कर्मचारियों में कार्यभारित कर्मचारी भी शामिल हैं।

तीनों पॉवर कंपनियों के नियमित कर्मचारियों एवं उनके पात्र आश्रितों के संबंध में समूह स्वास्थ्य बीमा कंपनी / टी.पी.ए. द्वारा दावे की राशि में से आंशिक राशि स्वीकार करने अथवा इंकार करने की स्थिति में चिकित्सा प्रतिपूर्ति की राशि की पुष्टि अथवा अनुशंसा करना।

* केन्द्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ समिति वर्तमान चिकित्सा/ प्रतिपूर्ति प्रक्रिया एवं निर्दिष्टता (रेफरल) नीति में समयानुसार उचित / आवश्यक परिवर्तन करने हेतु सुझाव / अनुशंसा प्रस्तुत करेगी।

* केन्द्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ समिति पॉवर कंपनी के चिकित्सालयों / औषधालयों के दवाईयों के प्रबंध के लिये वर्तमान प्रचलित प्रक्रिया में उचित / आवश्यक परिवर्तन करने हेतु सुझाव देगा। साथ ही औषधियों को क्रय करने के लिये विद्यमान फार्मा कंपनियों के अतिरिक्त नई फार्मा कंपनियों को सूचीबद्ध करने के साथ सूचीबद्ध फार्मा कंपनियों को विलोपित करने का भी सुझाव प्रस्तुत करेगी, जो तीनों पॉवर कंपनियों पर तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

* केन्द्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ समिति समूह स्वास्थ्य बीमा योजना के बीमा कंपनी / टी.पी.ए. के प्रदर्शन की लगातार निगरानी करेगी और संबंधित को उपचारात्मक कार्यवाही के संबंध में उचित दिशा निर्देश देने की अनुशंसा करेगी।

* केन्द्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ समिति मुख्यालय स्थित क्षेत्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ समिति / क्षेत्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ समिति में आवश्यकतानुसार संशोधन की अनुशंसा करेगी।

* केन्द्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ समिति प्रबंधन के अनुरोध पर वांछित रूप से अन्य प्रासंगिक मामलों में उचित उपयुक्त सुझाव प्रस्तुत करेगी।

2. क्षेत्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ समिति के दायित्व -

* स्टेट पॉवर कंपनी के रीजनल चीफ इंजीनियर आवश्यकतानुसार क्षेत्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ समिति का गठन कर सकेंगे, जिसमें संबंधित रीजन के पदस्थ एक डॉक्टर और एक अधीक्षण यंत्री स्तर के अधिकारी होंगे।
* तीनों पावर कंपनी के नियमित कर्मचारियों एवं उनके पात्र आश्रितों के गैर निर्दिष्टता (रेफरल) के प्रकरणों में जिसमें रु. 50,000/- (रुपये पचास हजार) तक की चिकित्सा प्रतिपूर्ति की जानी हो, की पुष्टि और भुगतान योग्य राशि की अनुशंसा करना।
* क्षेत्रीय कार्यपालक निदेशक / मुख्य अभियंता, क्षेत्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ समिति की अनुशंसा पर उचित निर्णय लेंगे।

3. औषधि क्रय समिति का कार्यक्षेत्र

* क्रय की जाने वाली औषधि की मात्रा निर्धारित करना ।
* औषधि क्रय करने हेतु पी. क्यूआर, निविदा एवं इससे संबंधित अन्य मामलों को निष्पादित करना।
* अंत में औषधि क्रय करने हेतु प्रस्ताव प्रबंधन को प्रस्तुत करना।

एचटीपीएस के नए प्रशासनिक भवन का हुआ लोकार्पण

हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम में नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का उदघाटन 17 मार्च को छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार के करकमलों से हुआ। इस अवसर पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व के ईडी श्री बीडी बघेल, ईडी श्री एच.एन कोसरिया, कोरबा पश्चिम के प्रभारी सीई श्री केके डोंगरे उपस्थित थे। आधुनिक सुविधाओं से युक्त नवनिर्मित प्रशासनिक भवन के उदघाटन उपरांत ह.ता.वि.गृह में पदस्थ कार्यालयीन कर्मचारियों को कार्य का बेहतर वातावरण प्राप्त होगा, साथ ही ताप विद्युत गृह के निकट ही विभिन्न कार्यालयों के अवस्थित होने से त्वरित सेवाओं का लाभ संयंत्र कर्मियों को प्राप्त होगा, जिससे विभागों की कार्यक्षमता उत्तरोत्तर अभिवृद्धि होगी।

निजी अस्पतालों को इंपैनल करने ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

अस्पताल अपने रिसेप्शन पर पॉवर कंपनी द्वारा जारी सूचीबद्धता प्रमाण पत्र करेंगे प्रदर्शित

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी में राज्य अथवा राज्य के बाहर स्थित निजी चिकित्सालय डायग्नोस्टिक सेंटर, प्रसूति गृह, नेत्र चिकित्सालय, दंत चिकित्सालय, सामान्य क्लीनिक, फिजियोथेरेपी सेंटर, पैथोलॉजी लैब, इमेजिंग सेंटर इत्यादि हेल्थ केयर संगठन (Health Care Organization) को सूचीबद्ध करने हेतु ऑनलाईन प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जा रही है।

पॉवर कंपनी के (MOA) अनुबंध में निहित नियमों एवं शर्तों के तहत निर्धारित बुनियादी ढाँचा मय स्किल मेनपॉवर के साथ सी.जी. एच.एस. दरों पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवायें उपलब्ध कराने हेतु इच्छुक हेल्थ केयर संगठन, पावर कंपनी की वेबसाईट www.csptcl.co.in पर सूचीबद्ध होने हेतु आवेदन कर सकते हैं।

* आवेदक को आवेदन शुल्क रु. 1180/- (शुल्क रू. 1000 रू.+180 जीएसटी) जमा करना है।

* आवेदक को ऑनलाईन आवेदन भरना होगा और विधिवत हस्ताक्षरित अनुबंधके साथ संबंधित स्वसत्यापित दस्तावेजों को अपलोड किया जाना है।

* सी.जी. एच. एस. दरों पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिये प्रत्येक हेल्थ केयर संगठन (एच.सी.ओ) को पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के साथ एम.ओ.ए. में हस्ताक्षर करने होंगे जिसे रू. 300/- के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर निष्पादित किया जाना है।

* एन. ए. बी. एच. / एन. ए. बी. एल. से मान्य प्राप्त हेल्थ केयर संगठन (जो निर्धारित मापदण्डों को पूर्ण करने वाले एवं सभी प्रासंगिक दस्तावेज जमा कर चुके हैं) को 2 वर्ष के लिये सूचीबद्ध किया जा सकेगा।

* इसके अतिरिक्त पात्रता मापदण्डों को पूर्ण किये जाने पर एवं सभी प्रासंगिक दस्तावेजों को जमा किये जाने पर हेल्थ केयर संगठन को पहले 6 माह के लिये अनंतिम (प्रोविजनल) रूप से सूचीबद्ध किया जाएगा।

* पॉवर कंपनी की केन्द्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ समिति के निरीक्षण उपरान्त, अनुशंसा पर अनंतिम रूप से सूचीबद्ध हेल्थ केयर संगठन की समयावधि को अनंतिम (प्रोविजनल) रूप से सूचीबद्ध किये जाने की तिथि से 2 वर्ष के लिये सूचीबद्ध किया जाएगा अथवा 15 दिन का नोटिस जारी कर उनको सूची से विलोपित किया जा सकता है।

* सूचीबद्ध हेल्थ केयर संगठन को नवीनीकरण हेतु 2 वर्ष की समायावधि समाप्त होने के कम से कम 2 माह पूर्व सूचीबद्ध होने के लिये आवेदन करना होगा। पॉवर कंपनी की चिकित्सा विशेषज्ञ समिति की अनुशंसा पर उन्हें पुनः सूचीबद्ध किया जा सकता है।

* यदि हेल्थ केयर संगठन उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि में नवीनीकरण के आवेदन करने में विफल होते हैं तो ऐसी स्थिति में उन्हें नई सूची में सम्मिलित करने हेतु पुनः नवीन रूप से आवेदन करना होगा।

अनुबंध (एम.ओ.ए.) के मुख्य बिन्दु-

* छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी व्दारा जारी किए गए मेडिकल कार्ड/पहचान पत्र के आधार पर पॉवर कंपनी के अधिकारियों/कर्मचारियों, पेंशनरों और उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को सीजीएचएस दरों पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिये प्रत्येक हेल्थ केयर संगठन को पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के साथ अनुबंध करना होगा, जो कि 2 वर्ष की अवधि के लिये या इसे संशोधित या निरस्त किये जाने तक (जो भी पहले हो) लागू होगा।

* यदि कोई अधिकारी/कर्मचारी और उनके आश्रित अपनी पात्रता से उच्च श्रेणी के वार्ड का चयन करते हैं तो ऐसे मामले में अनुबंध के कंडिका 2 में निर्दिष्ट दर पर अनुमति दी जा सकती है, किन्तु अधिकारी/कर्मचारी को घोषणा पत्र भरकर देना होगा कि वह इस अतिरिक्त प्रतिपूर्ति का दावा नहीं करेगा/करेगी और उसे यह घोषणा पत्र अंतिम बिल के साथ संलग्न करना होगा।

* ऐसे मामलों में जहां पाया जाता है कि हेल्थ केयर संगठन लागू सीजीएचएस दरों से अधिक चार्ज कर रहे हैं तो एचसीओ पहली बार दंड के रूप में 10 प्रतिशत अतिक्ति एवं लगातार चूक के लिये दंड के रूप में 20 प्रतिशत अतिरिक्त राशि के साथ अंतर राशि वापस करने के लिये उत्तरदायी होगा। इस अंतर राशि को संबंधित को वापस करना होगा, जिसने बिल का भुगतान किया है।

* हेल्थ केयर संगठन अपने अस्पतालों के रिसेप्शन पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा जारी सूचीबद्धता प्रमाण पत्र प्रदर्शित करेंगे।

अवसर मिले तो दिव्यांग भी कर सकते हैं बड़े काम- एमडी श्रीमती बघेल

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की प्रबंध निदेशक श्रीमती उज्जवला बघेल मूक बधिर बच्चों के बीच अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल पहुंची। उन्होंने बच्चों के परीक्षा परिणाम की अंकसूची का वितरण किया और उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि इंसान की शक्ति उसकी आत्मा में होती है और आत्मा कभी विकलांग नहीं होती है। हम सभी के लिए ईश्वर ने यह शरीर प्रदान किया है ताकि हम मानव रूप में मानवीय गुणों का विकास कर सकें। उन्हें बेहतर अवसर मिले तो वे भी बड़े से बड़ा काम कर सकते हैं।

श्रीमती बघेल 6 अप्रैल को राजेंद्रनगर स्थित अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल के वार्षिक परीक्षा परिणाम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर निगम रायपुर के सभापति श्री प्रमोद दुबे ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री संदीप शर्मा उपस्थित थे। श्रीमती बघेल ने स्कूल परिसर का भ्रमण किया और मूक-बधिर छात्रों के लिए मुहैया कराई गई सुविधाओं के लिए अर्पण कल्याण समिति की सराहना की। श्रीमती बघेल ने कहा कि प्रख्यात भौतिक विज्ञानी स्टीफन विलियम हॉकिंग न तो बोल सकते थे और न ही लिख सकते थे। लेकिन उन्होंने इतने बड़े सिद्धांत का प्रतिपादन किया, जिसे सामान्य मनुष्य नहीं कर सके।

उन्होंने ब्रम्हांड के रहस्य को लोगों के सामने उजागर किया। स्टीफन हॉकिंग ने ब्लैक होल और बिग बैंग सिद्धांत को समझने में अहम योगदान दिया। इसमें वरिष्ठ पत्रकार सर्वश्री प्रकाश शर्मा, प्राचार्य कमलेश कुमार शुक्ला, धनंजय त्रिपाठी, डॉ. राकेश पांडे, वीरेंद्र शर्मा उपस्थित थे।

"सही दिशा में निरंतर प्रयत्न ही सफलता का मूलमंत्र"

श्री डीके चावड़ा
कार्यपालक निदेशक
(ट्रांसमिशन)
CSPTCL

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (ट्रांसमिशन) रायपुर श्री धर्मेंद्र कुमार चावड़ा का जन्म 15 अगस्त 1961 को गुजरात के कच्छ जिले में सिनुआ गांव में साधारण किसान परिवार में हुआ।

पिता श्री रतनसिंह चावड़ा एवं स्वर्गवासी माता श्रीमती पार्वती चावड़ा से प्राप्त सुसंस्कारों एवं सद्विचारों को साथ लेकर जीवन में अग्रसर होते हुए वर्ष 1978 में हायर सेकेण्डरी की परीक्षा शासकीय बहुउद्देशीय विद्यालय जगदलपुर से उत्तीर्ण की एवं वर्ष 1983 में बी.ई. (इलेक्ट्रिकल) की उपाधि गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी रायपुर से प्राप्त की।

आपने वर्ष 1984 में मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल में अपनी सेवायात्रा प्रारंभ की। आप प्रशिक्षण अवधि में 400 के.व्ही. उपकेन्द्र खेदामारा (भिलाई) में पदस्थ रहे। प्रशिक्षण पूरा करने के पश्चात् सहायक अभियंता के पद पर परीक्षण संभाग जगदलपुर में 04 वर्ष की सेवा प्रदान की।

वर्ष 1990 में आपकी पदस्थापना हाई वोल्टेज डायरेक्ट करंट (एचवीडीसी) कनवर्टर स्टेशन बारसूर में हुई। बारसूर से आंध्रप्रदेश के लोवर सिलेरू के मध्य एचवीडीसी ट्रांसमिशन लाईन परियोजना, देश की पहली स्वदेशी तकनीक से बनी परियोजना थी, जिसमें तत्कालीन समय की अतिआधुनिक मानी जाने वाली फाइबर ऑप्टिक केबल के प्रयोग से प्रोटेक्शन और कण्ट्रोल तकनीकों का प्रयोग हुआ था।

बारसूर जैसे सुदूर वनांचल क्षेत्र जहाँ आवागमन और चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी नितांत अभाव था, ऐसे चुनौतीपूर्ण स्थान पर लगभग 06 वर्ष तक कार्य कर बारसूर कनवर्टर स्टेशन में आपने अथक परिश्रम, लगन और पूरे समर्पण से अपनी सेवाएँ प्रदान की। इस सेवाकाल को आप अपनी सेवायात्रा का स्वर्णकाल मानते हैं।

उसके पश्चात् वर्ष 1996 से लगभग 06 वर्ष तक पावर सिस्टम संभाग, भिलाई में अपनी सेवाएँ प्रदान की। आपको वर्ष 2002 में कार्यपालनअभियंता के पद पर पदोन्नति प्रदान कर वर्ष 2002-04 तक एम.आर.टी. संभाग-दो, रायपुर में पदस्थ किया गया। वर्ष 2004 से 2010 तक कार्यालय-मुख्य अभियंता (परीक्षण एवं संचार) में पदस्थ रहते हुए प्रथम बार सॉफ्टवेयर(माइ-पॉवर) का प्रयोग करके समय-समय पर आवश्यक लोड फ्लो और शार्ट सर्किट स्टर्डीज के व्दारा पारेषण प्रणाली संबंधी विभिन्न समस्याओं के समाधान एवं विकास प्रस्तावों में योगदान दिया। इसी दौरान आपने 2008 में वित्तीय प्रबंधन में एमबीए की उपाधि प्रथम श्रेणी से हासिल की।

वर्ष 2010-11 में एम.आर.टी. संभाग-एक, रायपुर में पदस्थ रहते हुए एक वर्ष में ही 08 अति उच्चदाब ट्रांसफार्मरों के ऊर्जीकरण का महत्वपूर्ण कार्य किया। तत्पश्चात् आपको अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नत कर भार प्रेषण केंद्र में पदस्थ किया गया। वर्ष 2012 में आपकी पदस्थापना कार्यालय-कार्यपालक निदेशक (वाणिज्य एवं योजना) में हुई जहाँ पदस्थ रहते हुए आपने ट्रांसमिशन कंपनी के स्वामित्व वाली 220 के.व्ही. की अंर्तराज्यीय लाईनों का ट्रांसमिशन प्रभार प्राप्त करने हेतु आवश्यक याचिका बिना किसी सलाहकार की सहायता के तैयार कर केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग के समकक्ष प्रस्तुत कर ट्रांसमिशन प्रभार स्वीकृत कराने का उल्लेखनीय कार्य किया।

आपने वर्ष 2016 में 400 के.व्ही. एवं 220 के.व्ही. के 18 उपकेन्द्रों के नवीनीकरण एवं उन्नयन कार्य हेतु प्रस्ताव तैयार कर पॉवर सिस्टम डेवलपमेंट फंड (पीएसडीएफ) से अनुदान राशि स्वीकृत कराने में मुख्य भूमिका निभाई।

वर्ष 2018 में आपकी पदोन्नति अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर कार्यालय कार्यपालक निदेशक (उपकेन्द्र-संचा./संधा.) रायपुर में हुई। इस दौरान पीएसडीएफ स्कीम के अंतर्गत चल रहे कार्यों के नोडल अधिकारी के रूप में आपने अति उच्च दाब उपकेंद्रों के नवीनीकरण एवं उन्नयन कार्यों को मैदानी स्तर पर शीघ्रतापूर्व क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया। वर्ष 2020 में आपको पदोन्नत कर मुख्य अभियंता एवं 2022 में कार्यपालक निदेशक (उपकेन्द्र-संचा./संधा.) रायपुर के पद पर पदस्थ किया गया। इसी दौरान 400 के.व्ही. उपकेन्द्र भिलाई में 400/220 के.व्ही., 315 एम.व्ही.ए. ट्रांसफार्मर-तीन का ऊर्जीकरण अत्यंत कम समय में कराया जाना उल्लेखनीय कार्य रहा। आप वर्तमान में भविष्यनिधि न्यास के सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। आपकी अभिरूचि पर्यटन, संगीत एवं उद्यानिकी में है। आपका मानना हैं कि सही दिशा में कठोर परिश्रम एवं लगन के साथ निरंतर प्रयत्न से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है।

आपकी पत्नी श्रीमती लीना चावड़ा उच्च शिक्षित गृहणी है। पुत्री नवीना, एम.बी.ए. की शिक्षा ग्रहण करने के उपरांत शिक्षण के क्षेत्र में कार्यरत हैं। आप ईश्वर में अटूट आस्था रखते हैं एवं पुत्र सौम्य की जन्मजात अक्षमता को ईश्वर प्रदत्त दायित्व के रूप में स्वीकार कर आप उसका यथा संभव निर्वहन कर रहे हैं।

एमडी श्री कटियार ने मड़वा प्लांट और गारे पेलमा कोल ब्लॉक का किया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार ने अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र (एबीवीटीपीएस)मड़वा के संयंत्र क्षेत्र समेत सभी संकायों का निरीक्षण किया। 23 मार्च को मड़वा पहुँचने पर ईडी श्री एस के बंजारा ने उनका स्वागत किया। एमडी श्री कटियार कोल हैंडलिंग प्लांट एरिया में कोयला आपूर्ति की स्थिति को जायजा लिया। प्रबंध निदेशक ने इससे पहले गारे पेलमा कोल ब्लॉक से हो रही कोयले की आपूर्ति देखी। उन्होंने खनन

क्षेत्र का जायजा लिया। वर्तमान में मड़वा विद्युत संयंत्र को प्रतिदिन चार से पांच रेक कोयले की आपूर्ति हो रही है। इससे विद्युत संयंत्र की दोनों इकाइयां सतत संचालन की स्थिति में बनी हुई है। उन्होंने निरीक्षण उपरांत वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उत्पादन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (सिविल प्रोजेक्ट) श्री एमआर बागड़े, मुख्य अभियंता (सिविल प्रोजेक्ट-2) श्री देवेंद्र नाथ, मड़वा संयंत्र के अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री पीके श्रीवास्तव, राजाबाबू कोसरे, आलोक लकरा, आरजी देवांगन एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री आरके तिवारी, एसई श्री क्रिस्टोफर एक्का समेत सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बेहतर राखड़ प्रबंधन , रिकार्ड 86 प्रतिशत राखड़ का हुआ उपयोग

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी अपने बिजली संयंत्रों से उत्सर्जित राखड़ के उचित निपटान और उसके बेहतर उपयोग का समुचित प्रयास कर रही है। कंपनी के अधिकारियों के बेहतर प्रबंधन के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2022-23 में उत्पादन कंपनी के तीनों संयंत्रों से निकलने वाले राखड़ में से औसतन 86 प्रतिशत का उपयोग विभिन्न निर्माण एवं अन्य गतिविधियों में किया गया।

बीते वित्तवर्ष में कुल उत्पादित राखड़ में से 46.26 लाख मीट्रिक टन राखड़ का उपयोग खनन कार्य से रिक्त हुए स्थानों को भरने , सड़क निर्माण, सीमेंट कारखानों, फ्लाई एश निर्माण समेत अन्य निर्माण एवं विकास कार्य में किया गया। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली, की अधिसूचना 31 दिसम्बर 2021 एवं 30 दिसम्बर 2022 के अंतर्गत प्रत्येक कोयला या लिग्नाईट आधारित ताप विद्युत गृह को विद्युत गृह से उत्सर्जित राखड़ का 100 प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करना है। निर्देशों की अवहेलना पर दण्ड का भी प्रावधान है। इसके तहत 1000 रूपए प्रतिटन अर्थदण्ड अधिरोपित किया जाता है। स्टेट पॉवर कंपनी के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 में विद्युत गृहों की राखड़ उपयोगिता का औसत जहाँ 86 प्रतिशत रहा जो अब तक एक वर्ष में राखड़ के अधिकतम उपयोग का रिकार्ड है। वहीं तीनों संयंत्रों में सबसे अधिक

अटल बिहारी ताम विद्युत गृह, मड़वा का 117 प्रतिशत रहा। यहाँ 14.25 लाख मी.टन की जगह 16.71 लाख मी.टन राखड़ का उपयोग किया गया। दूसरी ओर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा ने 11.35 लाख मी.टन में से 9.79 लाख मी. टन राखड़ का उपयोग कर 86 प्रतिशत निपटान किया तथा हसदेव ताप विद्युत गृह ने 28.39 लाख मी.टन में से 70 प्रतिशत यानी 19.76 लाख मी.टन राखड़ का उपयोग कर पर्यावरण मंत्रालय के प्रावधानों के अनुरूप राखड़ प्रबंधन करने में सफलता हासिल की। इस प्रकार अधिसूचना में निहित दण्ड प्रावधान के तहत राज्य की उत्पादन कंपनी के ऊपर वर्ष 2022-23 में बेहतर राखड़ प्रबंधन को देखते हुए किसी प्रकार का अर्थदण्ड प्रत्यारोपित नहीं किया जाएगा। प्रावधान के तहत तीन वित्तीय वर्षों (2022-23, 23-24 एवं 24-25) में स्थिरीकरण की प्रक्रिया पूर्ण किया जाना है । इसके लिए कोरबा पूर्व स्थित पोड़ीमार फेस 1 एवं 2 तथा पी.ए.बी. पोंड क्र. 2 राखड़ बांध, कोरबा पश्चिम स्थित डगनियाखार राखड़ बांध तथा लोतलोता राखड़ बांधों का स्थिरीकरण का कार्य प्रगति पर है।

उपरोक्त राखड़ बांधों में कुल संग्रहित 565.52 लाख मी.टन लिगेसी राख पूरी तरह शून्य हो जाएगी। इससे कंपनी पर राख परिवहन तथा पर्यावरण क्षतिपूर्ती में होने वाले व्यय की भारी बचत होगी। साथ ही स्थिरीकरण किए गए उपरोक्त बांधों की उपलब्ध समतल सतह पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की प्रक्रिया भी शुरू की जा चुकी है। ।

ईडी श्री प्रद्युम्न पांडे एवं सीवीओ श्री तिवारी की भावभीनी विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (ईंधन प्रबंधन) श्री प्रद्युम्न पांडे को सेवानिवृत्त उपरान्त विद्युत सेवा भवन में 31 मार्च को भावभीनी विदाई दी गई। डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री मनोज खरे एवं जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार ने उन्हें सेवा प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इसके अलावा ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री कृपा शंकर तिवारी को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। मुख्य अभियंता श्री एके वर्मा और अति.मुख्य अभियंता श्री विनोद अग्रवाल ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया।

मुख्य अभियंता श्री रामजी सिंह को सेवा भवन में दी गई विदाई

रायपुर | छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के मुख्य अभियंता श्री रामजी सिंह को सेवानिवृत्त उपरान्त कंपनी मुख्यालय विद्युत सेवाभवन में 28 अप्रैल को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री मनोज खरे, जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस.के.कटियार एवं निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) श्री केएस रामाकृष्णा ने

उन्हें सेवा प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अतिथियों ने श्री सिंह के साथ अपने कार्य अनुभवों को साझा करते हुए सेवा अवधि में मिले सहयोग के लिए आभार जताया। प्रबंध निदेशकों ने श्री सिंह के विनम्र व्यवहार और मिलनसारिता का उल्लेख किया। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक (जनसंपर्क) श्री गोविंद पटेल ने किया।

हसदेव ताप विद्युत गृह के प्रभारी मुख्य अभियंता श्री डोंगरे को विदाई

कोरबा पश्चिम | हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में 31 मार्च को प्रभारी मुख्य अभियंता श्री के.के डोंगरे सहित अधीक्षण अभियंता श्री ए.के चंद्राकर, श्री के.के नेमा एवं अन्य कर्मचारियों को एक समारोह में विदाई दी गई। इसमें संयंत्र के अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर विशिष्ठ अतिथि श्री के.के डोंगरे द्वारा अपने कार्यकाल

के अनुभवों को साझा करते हुए विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में आगामी चुनौतियों एवं संभावनाओं के प्रति संयंत्र-कर्मियों के मध्य जागरूकता के प्रचार-प्रसार के साथ ही इस क्षेत्र में "तकनीकी एवं प्रबंधकीय नवाचारों" के प्रति संयंत्र-कर्मियों के रुझान को विकसित किए जाने की आवश्कता पर बल देते हुए कर्मचारियों को शुभकामनाएं प्रेषित की गई ।

श्री जैन व श्री नागतोड़े को दी विदाई

रायपुर | छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के अधीक्षण अभियंता श्री संजय जैन व अनुभाग अधिकारी श्री रामेश्वर नागतोड़े को भावभीनी विदाई दी गई। कंपनी के निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) श्री केएस रामाकृष्णा, मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्री एके वर्मा ने उन्हें नई पारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्री सिलारे व श्री चंदेल को भावभीनी विदाई

रायपुर | वित्त संकाय में सहायक प्रबंधक श्री मानिक राव सिलारे एवं अनुभाग अधिकारी श्री नारद सिंह चंदेल को 31 मार्च को सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई दी गई। ईडी श्री एमएस चौहान, श्री संदीप मोदी, जीएम श्री आलोक सिंह, व श्री वाय. बी. जैन ने प्रशस्ति पत्र दिया।

एसई श्री साहू को दी गई विदाई

मड़वा | एबीवीटीपीएस से अधीक्षण अभियंता श्री बद्रीप्रसाद साहू एवं अनुभाग अधिकारी श्री सच्चिदानंद पटनायक को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। 31 मार्च को कार्यपालक निदेशक एसके बंजारा ने उन्हें स्मृति चिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कल्याण अधिकारी आरएस टेकाम ने किया।

सेवानिवृत्त हुए कर्मियों को भावपूर्ण विदाई

मड़वा | अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा से अप्रैल में सेवानिवृत्त हुए कार्यालय सहायक श्रेणी-एक द्वय श्री सीताराम राठौर एवं श्री मंगल प्रसाद राय को पावर कंपनी परिवार की ओर से भावपूर्ण विदाई दी गई। प्रभारी कार्यपालक निदेशक सह एडि. सीई आलोक लकरा द्वारा उन्हें सेवा प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिह्न भेंट किया एवं उन्हें नए जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

अधीक्षण अभियंता को दी विदाई

कोरबा पूर्व | डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह से 28 अप्रैल को अधीक्षण अभियंता मोहन लाल साहू, कार्यपालन अभियंता हरीशचंद्र शुक्ला वरिष्ठ पर्यवेक्षक, रिखीलाल यादव एवं अनिमेष गांगुली को विदाई दी गई। कार्यपालक निदेशक श्री बीडी बघेल ने उन्हें प्रशस्ति पत्र भेंट किया।

कर्मियों को मिला दीर्घ सेवा सम्मान

कोरबा पूर्व | डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह से 31 मार्च को श्री त्रियुगी नारायण मिश्रा एवं श्री सियाराम देवांगन, कनिष्ठ पर्यवेक्षक की सेवानिवृत्ति पर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। कार्यपालक निदेशक श्री बी.डी. बघेल ने सेवा प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया ।

ट्रांसमिशन कंपनी के भिलाई-3 वर्कशॉप में रिकार्ड उत्पादन

भिलाई-3 । छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के भिलाई-3 वर्कशॉप में रिकार्ड उत्पादन किया गया है। कर्मशाला संभाग में बहुप्रतीक्षित स्टील की पूर्ति जनवरी माह में 2220 मीट्रिक टन स्टील आने से हुई।

स्टील आपूर्ति के फलस्वरुप कंपनी प्रबंधन द्वारा सालाना 3000 टन उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसको पूर्ण करने हेतु अधीक्षण अभियंता श्री पीपी सिंह के निर्देशन में कर्मशाला संभाग की कार्यपालन अभियंता श्रीमती बरखा

दुबे एवं सहायक अभियंता श्री आकाश सिन्हा द्वारा मैदानी क्षेत्रों से कार्य की प्राथमिकता सूची मंगवाकर कार्ययोजना तैयार किया गया। तत्पश्चात वर्कशॉप के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कड़ी मेहनत से विगत 15 वर्षों का मासिक उत्पादन का रिकार्ड तोड़ते हुए मार्च 2023 में 253 मीट्रिक टन उत्पादन का नया कीर्तिमान स्थापित किया गया।आगे भी इसी गति से उत्पादन क्षमता को बनाये रखने हेतु विभिन्न संभागों के अधिकारियों से चर्चा कर प्राथमिकता के आधार पर टॉवर / स्ट्रक्चर का निर्माण करने हेतु क्रमबद्ध योजना के तहत कार्य किया जा रहा है।

विद्युत दुर्घटना से बचाव एवं सुरक्षा उपायों पर हुई कार्यशाला

राजनांदगांव| डोंगरगांव एवं बोरी उपसंभाग के विद्युत कर्मियों के लिए एक दिवसीय ''सेफ्टीपरेड'' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अधीक्षण अभियंता एवं प्रभारी सुरक्षा अधिकारी(सेफ्टी ऑफिसर) श्री रंजीत घोष ने तकनीकी एवं ठेका कर्मचारियों को सुरक्षा उपायोंपर प्रकाश डाला । उन्होंने सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए कार्य करने एवं लाइन मेन्टेनेंस तथा एरियर्स रिकवरी के उपायों के विषय में विस्तार

से जानकारी दी । श्री घोष ने कहा कि ज्यादातर हादसे छोटी-छोटी लापरवाही से होते हैं, इसलिए बचाव के साधनों का पूरा उपयोग कर ही बिजली का कार्य करना चाहिये। कार्यशाला के दौरान तकनीकी कर्मचारियों द्वारा भी सुरक्षा संबंधित अनुभव एवं कार्य के दौरान आने वाली परेशानियों को भी साझा किया गया। इस दौरान सहायक अभियंता श्री जनकराम साहू, श्री हिमांशु भुआर्य, कनिष्ठ अभियंता श्री ताम्रध्वज पिस्दा, श्रीमती भेनुका खरे,श्री एनके शुक्ला सहित डोंगरगांव एवं बोरी उपसंभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

अग्निशमन सेवा सप्ताह का आयोजन

कोरबा पश्चिम| हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम में अग्निशमन सेवा सप्ताह का आयोजन 14 से 20 अप्रैल तक किया गया। इसकी थीम "राष्ट्रीय अवसंरचना में विकास के लिए अग्नि सुरक्षा में जागरूकता" रखी गई थी। इस साप्ताहिक कार्यक्रमों का औपचारिक समापन मुख्य अभियंता (उत्पा.) श्री संजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं कारखाना प्रबंधक सह अति. मुख्य अभि.(एस एंड एस.सी.) श्री पी.के स्वेन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अति. मुख्य अभि.श्री ओ.पी शुक्ला, श्री ए.के सिन्हा, श्री हेमंत सिंह,श्री एम.के गुप्ता एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री ए.के कुरनाल सहित बड़ी संख्या में संयंत्र के अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद थे।

जागरुकता की दिलाई गई शपथ

कोरबा पश्चिम| हमारा लक्ष्य शून्य दुर्घटना की थीम पर आयोजित संरक्षा सप्ताह कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी मुख्य अभियंता श्री केके डोंगरे द्वारा जागरुकता की शपथ दिला कर किया गया। 4 मार्च को कोरबा पश्चिम द्वारा संयंत्र के रसायन विभाग एवं कोल हस्तांतरण शाखा (बाह्य) में नियोजित श्रमिकों एवं कर्मकारों को सुरक्षा उपकरणों के महत्व, उनके प्रयोग करने की सही विधि सिखायी गई। 5 मार्च को ताप विद्युत गृह के कंट्रोल रूम स्थित 4 X 210 मेगावाट इकाई के जल शोधन संयंत्र में संरक्षा जागरूकता का आयोजन किया गया। असुरक्षित स्थान, कार्यदशा व जोखिम प्रबंधन के संबंध में जागरूकता के प्रचार-प्रसार हेतु प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

निबंध स्पर्धा से जागरुकता का संदेश

कोरबा पूर्व | केटीपीएस में अग्निशमन सप्ताह मनाया गया। इसका समापन 14 अप्रैल को मुख्य अभियंता श्री शैलेंद्र शर्मा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस दौरा नारा लेखन प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें प्रथम श्री सुरेश कुमार सोनी, व्दितीय रेशन सारथी व तृतीय गुरुनंदन प्रसाद रजवाड़े रहे। निबंध लेखन में प्रथम श्री संदीप हलवाई, व्दितीय श्रीमती मीना नेताम एवं तृतीय कन्हैया कैवर्त रहे।

संरक्षा सप्ताह नारा स्पर्धा में रंजीत प्रथम

कोरबा पूर्व | डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में राष्ट्रीय सरंक्षा सप्ताह मनाया गया। इसमें कार्यपालक निदेशक श्री बीडी बघेल ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। नारा प्रतियोगिता में प्रथम रंजीत सिंह राठौर, द्वितीय सागर देवांगन तृतीय घनश्याम साहू रहे। निबंध में सुलेखा नायक, मीनाक्षी भारद्वाज व हेमंत कुमार वर्मा पुरस्कृत हुए।

अंतरक्षेत्रीय शतरंज प्रतियोगिता में दुर्ग और कोरबा पूर्व ने जीता खिताब

पॉवर कम्पनी अन्तर क्षेत्रीय शतरंज प्रतियोगिता की टीम स्पर्धा में पुरूष वर्ग में दुर्ग और महिला वर्ग में कोरबा पूर्व विजेता रहीं। वहीं प्रतियोगिता के दोनों ही वर्गों में कोरबा पश्चिम उप विजेता घोषित की गई हैं। क्षेत्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद रायपुर क्षेत्र द्वारा आयोजित प्रतियोगिता के टीम एवं व्यक्तिगत स्पर्धाओं के विजेताओं को प्रबंध निदेशक श्री मनोज खरे ने

पुरस्कार प्रदान किया। टीम स्पर्धाओं के अलावा व्यक्तिगत स्पर्धा में पुरुष वर्ग में कोरबा पश्चिम के श्री एम सी सोनी विजेता और दुर्ग के श्री राजेश गुप्ता उपविजेता रहे । महिला वर्ग में नूतन ठाकुर विजेता औरसनीली चौहान उपविजेता रहीं। इसमें ईडी श्री भीम सिंह कंवर, श्री जेएस नेताम विशेष रूप से उपस्थित थे।

अपने से करें, हर प्रथम प्रयास - श्री बंजारा

मड़वा |अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा में 14 से 20 अप्रैल तक राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री एसके बंजारा ने कहा कि आग बुझाने के लिए सबसे पहले व्यक्तिगत प्रयास किया जाना चाहिए। आग भयंकर हो तो अग्निशमन सेवा विभाग को तत्काल सूचना देना चाहिए। इसमें नारा एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजयी प्रतिभागी जयकृपाल यादव सतीश कुमार यदु, नेहा खरे, अंबिकेश साहू, हेमंत खरे और नागभूषण ठाकुर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम को एसीई पीके श्रीवास्तव, राजाबाबू कोसरे, आलोक लकरा, आरजी देवांगन,एसडी द्विवेदी, वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ आरके तिवारी, एमआर स्नेही ने भी संबोधित किया।

"इलेक्ट्रिकल सेफ्टी" पर हुआ प्रशिक्षण

कोरबा पश्चिम | हसदेव ताप विद्युत गृह,कोरबा पश्चिम में "इलेक्ट्रिकल सेफ्टी" विषय पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्युत हादसों की प्रभावी रोकथाम एवं इनकी वजह से होने वाली जान-माल की क्षति से बचाव के लिए जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 25 अप्रैल को संरक्षा विभाग के तत्वावधान में संयंत्र के ओ.आर.टी कक्ष क्रमांक 02 में संपन्न हुआ। इस अवसर पर इलेक्ट्रिकल सेफ्टी ऑफिसर श्री केआर पाटीदार द्वारा कार्यक्रम स्थल में उपस्थित अधिकारियों/ कर्मचारियों एवं ठेका-कर्मियों को हाई वोल्टेज विद्युत उपकरणों के सुरक्षित उपयोग की विधि से अवगत कराया गया गया, ताकि इनकी वजह से होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके ।

" विपरीत परिस्थितियों में कार्य करने से बढ़ती है कार्यक्षमता "

श्री अरूण कुमार वर्मा
(कार्यपालक निदेशक)
CSPGCL

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी में कार्यपालक निदेशक (भंडार एवं क्रय) श्री अरूण कुमार वर्मा के लिए 40 वर्षों की अपनी लंबी सेवा अवधि के बावजूद निरंतर कार्य में रत रहना जीवन का हिस्सा है। मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में 05 मई 1961 में जन्म हुआ पर उनका अधिकांश हिस्सा वर्तमान छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों पर ही बीता है। पिता स्वर्गीय जी एस वर्मा एवं माता श्रीमती प्रकाश वति वर्मा के संस्कारों से सिंचित अपने जीवन में आपने कई उपलब्धियाँ हासिल की जो आपके जीवन में नित नए अध्याय जोड़ते रहे। अपनी हायर सेकंडरी और इंजीनियरिंग की पढ़ाई रायपुर से ही पूरी की। आपने शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय से बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग मेकेनिकल ब्रांच से 1982 में स्वर्ण पदक के साथ पूरी की। आपने उस वर्ष पूरे विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग के सभी ब्रांचों में पहला स्थान प्राप्त किया। 1982 में ही आप तत्कालीन मध्यप्रदेश विद्युत मंडल के 16वें बैच के टॉपर रहे हैं। इसके पश्चात सहायक अभियंता के तौर पर आपकी पहली पदस्थापना कोरबा पश्चिम में हुई। यहाँ आप पहले बॉयलर इरेक्शन और बाद में संचारण एवं संधारण कार्यालय में कार्यरत रहे। कार्य में जीवटता से जुटे रहते हुए आप आगे बढ़ते रहे और वर्ष 2000 में आपको कार्यपालन अभियंता के तौर पर पदोन्नति प्राप्त हुई। कोरबा पश्चिम में ही आप लगातार कार्यरत रहे और इसी स्थान पर कार्य करते हुए आपको अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई जहाँ आप अगले आठ वर्षों तक कार्यरत रहे। कुल 25 वर्षों तक कोरबा पश्चिम में सेवा के पश्चचात वर्ष 2018 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति उपरांत आपके अनुभवों का लाभ लेने के लिए कंपनी ने आपको अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा में पदस्थ किया ।

लगभग ढाई वर्ष पश्चात वर्ष 2021 में आपको मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई और पॉवर कंपनी मुख्यालय में परियोजना एवं पुनर्निर्माण कार्यालय में पदस्थ किया गया। आपके दीर्घ अनुभवों समर्पित कार्य का सम्मान करते हुए कंपनी ने कार्यकालक निदेशक के शीर्ष पद पर वर्ष 2022 में पदोन्नत किया।

परियोजना एवं पुनर्निर्माण कार्यालय में ही कार्यपालक निदेशक के तौर कार्य करने के पश्चात आपको अक्टूबर 2022 मंय कार्यपालक निदेशक भंडार एवं क्रय का दायित्व सौंपा गया। इस पद पर आपने अनुभवों का लाभ लेते हुए कार्य निष्पादन को त्वरित और सुचारू रूप से पूर्ण कर कार्यप्रणाली को गति प्रदान करने की दिशा में लगातार प्रयास किया है। विपरीत परिस्थितियों में कार्य आपके अनुभव और क्षमता में वृद्धि करते रहे। ऐसी ही एक विपरित परिस्थिति निर्मित हुई 1987 में 8 और 9 अप्रैल को विद्युत मंडल के कुछ कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए और बहुत ही कम मानव संसाधन के साथ विद्युत उत्पादन के कार्य को सुचारू रूप से बनाए रखा। इस उपलब्धि के लिए ऊर्जा सचिव ने आपको प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

काफी दिनों से क्षतिग्रस्त केन्दई एश पाइप लाइन को अपने विशेष प्रयास से ठीक कर पर्यावरण को दूषित होने से बचाया, इसके लिए आप सम्मानित भी किए गए। 210 मेगावॉट के संयंत्र में ईएसपी के इनलेट डक्ट को बिना यूनिट को बंद कि। सूझबूझ के साथ अमोनिया डोसिंग लाइन का कनेक्शन करवाया, आपके इस प्रयास के लिए भी आपको कंपनी प्रबंधन ने सम्मनित किया।

अपने लंबे कार्यकाल में ऐसे कई मौकों पर आपने समर्पण और सूझबूझ का परिचय देते हए संस्था हित में कार्य करते रहे हैं। आपके इस समर्पण को निर्बाध रूप से बनाए रखने में आपकी अर्धांगिनी श्रीमती किरण वर्मा का विशेष योगदान है। आपकी व्यस्तता के बीच परिवार को बाँधे रखना और बच्चों की देखभाल करने की बड़ी जिम्मेदारी आपकी धर्मपत्नी बिना थके निभाती रहीं हैं। आपके पुत्र श्री अंकित और पुत्रवधु अलिशा भी अभियांत्रिकी स्नातक एवं वित्तीय प्रबंधन में पत्रोपाधि (डिप्लोमा) धारक हैं। अंकित और अलिशा वर्तमान में मुम्बई में कार्यरत हैं। आपकी सुपुत्री आकृति वाणिज्य स्नातक उपरांत अमेरिका स्थित डलहॉस विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं। अपने कार्यक्षेत्र में तन्मयता से कार्य के अलावा समय मिलते ही आप सामाजिक क्षेत्र सहयोग के लिए समय लगाते हैं। पशुओं के लिए संवेदनशील श्री वर्मा अपने खाली वक्त में पशुओं की सेवा करना और संगीत सुनना पसंद करते हैं। वक्त निकालकर समयामयिक विषयों की जानकारी एकत्र करना तथा वन्यजीव संबंधी वृत्तचित्र देखना पसंद करते हैं।

पॉवर कंपनी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

रायपुर| छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के तत्वावधान में औषधालय डंगनिया रायपुर के द्वारा वी केयर सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से 25 अप्रैल 2023 को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

ऑफिसर क्लब में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. विवेक पाण्डेय एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. तुषार दानी ने पॉवर कंपनी के अधिकारी-कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उनके स्वास्थ संबंधी बहुपयोगी जानकारी दी। शिविर में 120 लोगों ने स्वास्थ परीक्षण का लाभ लिया। शिविर में पॉवर कंपनी के सीएमओ डॉ. एच.एल.पंचारी, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. निलेश सिंह, डॉ. श्वेता जैन एवं बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

11 गांवों में बेहतर बिजली के लिए नया उपकेंद्र

जगदलपुर| बस्तर संभाग के ग्राम बड़बत्तर में स्थापित नए 33/11 केव्ही उपकेन्द्र को ऊर्जीकृत किया गया। इससे क्षेत्र के 11 गांवों के फीडर को विद्युत आपूर्ति होगी। इन गांवों के 3183 उपभोक्ताओं को बेहतर व निर्बाध बिजली मिल सकेगी व लो-वोल्टेज की समस्या से छुटकारा मिलेगा।

वितरण केन्द्र बड़ेराजपुर के ग्राम बड़बत्तर में नवीन 33/11 केव्ही उपकेन्द्र को 3 मार्च को जगदलपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री एसके ठाकुर ने बटन दबाकर ऊर्जीकृत किया। श्री ठाकुर ने बताया कि इस नए उपकेन्द्र के क्रियाशील होने से उक्त क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ हो सकेगी, निर्बाध विद्युत आपूर्ति से वहां आर्थिक विकास की गतिविधियों में तेजी आएगी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हुए विविध आयोजन

मड़वा | स्तुति महिला मंडल (जूनियर क्लब) द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आकृति महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती निवेदिता बंजारा, विशिष्ट अतिथि उपाध्यक्ष श्रीमती अर्निका लकरा, श्रीमती लता कोसरे, श्रीमती नीना तिवारी एवं श्रीमती चारुलता देवांगन, सचिव दीपा साहा उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि श्रीमती बंजारा द्वारा समाज में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। सदस्यों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। इसके साथ ही बच्चों ने भी मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में स्तुति महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रितु रेड्डी ,सचिव श्रीमती मनीषा मिरे,,सहसचिव श्रीमती हिना पाठक, कोषाध्यक्ष श्रीमती कौशल्या साहू, कार्यक्रम प्रभारी स्नेह लता दवांडे, सांस्कृतिक सचिव सीमा देवांगन, मीडिया प्रभारी हेमलता बांधे, खेल प्रभारी श्रीमती अनुराधा खैरवार और सदस्य पूजा लहरे, निशा खुराना, सुनीता ध्रुव, प्रिया शर्मा, मीरा सिंह, रानू चुरेंद्र, गीतांजलि साहू और ज्योति मैरिषा का प्रमुख योगदान रहा।

स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

दुर्ग | महिला स्वास्थ्य विषय पर 13 मार्च को जागरुकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती किरण जामुलकर द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रीमती जामुलकर ने कहा कि महिलाएं समाज एवं घर की मुख्य धुरी हैं इसलिए उनका स्वस्थ होना बहुत जरुरी है। सेवानिवृत्त स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर उज्ज्वला तमेर द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इसमें समर्पित संस्था 'संकल्प' की सदस्य श्रीमती संगीता वर्मा, कार्यपालन अभियंताद्वय श्रीमती सनीली चौहान, श्रीमती अनुसुईया ठाकुर , विद्युत कंपनी के महिला अधिकारी एवं कर्मचारी, सामाजिक संस्था संकल्प की सदस्य श्रीमती रेखा अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहीं। संचालन प्रकाशन अधिकारी श्रीमती माया चन्द्राकर ने किया।

आदिकाल से ही होता रहा है नारी का सम्मान

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह के केंन्टीन में 11 मार्च को वर्किंग वूमन यूनिटी द्वारा अर्तराष्ट्रीय महिला दिवस के कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती सोनिया बघेल अध्यक्षा प्रेरणा महिला मंडल कोरबा पूर्व के मुख्य आतिथ्य में मनाया गया। इस कार्यक्रम में आकृति महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती निवेदिता बंजारा, ए.बी.वी.पी. टी.पी.एस मड़वा तथा नवजीवन ज्योति हॉस्पिटल कोरबा कि संचालिका श्रीमती अल्का बंछोर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। इस कार्यक्रम में श्री बी.डी. बघेल कार्यपालक निदेशक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, श्री शैलेन्द्र शर्मा मु.अभियंता कोरबा (पूर्व), श्री संदीप श्रीवास्तव, श्री सीके पैकरा, श्री बी.पी. पाटले, श्री एस कंसल, श्री आशीष श्रीवास्तव, एवं श्रीमती नमिता पैकरा, श्रीमती प्रियंका पाटले अतिथि के रूप में उपस्थित थीं।

छत्तीसगढ़ी लेखन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए धनेश्वरी सम्मानित

बिलासपुर | श्रीमती धनेश्वरी सोनी को भाषा अनुवाद एवं छत्तीसगढ़ी लेखन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए बिलासपुर में संसदीय सचिव श्री विकास उपाध्याय, बिलासपुर संभागायुक्त श्री संजय अलंग, कलेक्टर श्री सौरभ कुमार ने सम्मानित किया। उन्हें रायपुर में महिला दिवस समारोह में भी प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। श्रीमती सोनी ने हनुमान चालीसा, सुंदरकांड रामचरितमानस के पंचम सोपान का छत्तीसगढ़ी भाषा में अनुवाद किया है। श्रीमती सोनी पी.एच.डी. मानद् उपाधि प्राप्त हैं। वे डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कटघोरा संभाग में पदस्थ सहायक अभियंता श्री एस. के. सोनी की धर्मपत्नी हैं।

सम्मान, प्रशंसा और कृतज्ञता प्रकट करने मनाते हैं महिला दिवस

रायपुर | पॉवर कंपनी के गुढ़ियारी स्थित विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत् महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व 6 मार्च को महिला दिवस समारोह का आयोजन उमंगमय वातावरण में किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में सुश्री सुनीता टिकरिया उपस्थित थीं। वक्ताओं ने बताया कि विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के उत्कृष्ट एवं प्रशसंनीय योगदान को देखते हुए उनके प्रति सम्मान, प्रशंसा और प्रेम प्रकट करने के लिए हर साल 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। उन्होंने सभी महिलाओं को बराबरी का हक दिलाने, भेदभाव रोकने तथा उन्हें जागरूक बनाने की बातें कहीं। उक्त कार्यक्रम के आयोजन में अधीक्षण अभियंता श्रीमती मधुलिका मिंज एवं कल्याण अधिकारी श्रीमती मनीषा डे का विशेष योगदान रहा।

प्रेरणा महिला मंडल ने आश्रय स्थल में किया फल वितरण

कोरबा पूर्व | प्रेरणा महिला मंडल ने नेहरू नगर स्थित आश्रय स्थल में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, बर्तन, फल, मिठाई एवं राशन सामाग्री का वितरण किया। इस अवसर पर महिला मंडल की अध्यक्ष सोनिया बघेल, अल्का शर्मा, उपाध्यक्ष गीता शुक्ला, अल्का कंसल के अतिरिक्त महिला मण्डल की अन्य सदस्य निर्मला शुक्ला, पूनम सक्सेना, हेमलता गुरूपंच, उत्तरा ठाकुर एवं रीना वर्मा उपस्थित रहीं।

प्रेरणा महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती बघेल ने महिलाओं के सराहनीय सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया और इस तरह के कार्यों को सदैव करते रहने की पर बल दिया। इस अवसर पर महिला मंडल की सदस्य उपस्थित थीं।

आकृति महिला मंडल ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

मड़वा | आकृति महिला मंडल (सीनियर क्लब) ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया। मंडल के सदस्यों ने इस अवसर पर नारीशक्ति के रूप में मां दुर्गा के नौ रूपों और मां काली के रौद्र रूप की नृत्य प्रस्तुति दी। इसमें अध्यक्ष श्रीमती निवेदिता बंजारा विशेष रुप से उपस्थित थीं। इसमें भारत की ख्यातिलब्ध महिलाओं के योगदान को याद किया गया। महिला मंडल के सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की इंद्रधनुषी छटाँ बिखेरते हुए अनेक प्रस्तुति दी गई। अध्यक्ष निवेदिता बंजारा द्वारा महिला मंडल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. इंदु साहू एवं सदस्यों द्वारा विशेष सहयोग किया गया।

शहरी संरचना के साथ प्राकृतिक संपदा को भी सहेजे है सिंगापुर

मित्रों, दूर देश सात समंदर पार जाने की आकांक्षा प्रायः सभी की होती है और मेरा भी यही सपना दिसंबर 2022 में साकार हुआ जब मैं अपनी पहली विदेश यात्रा पर समीपस्थ देश सिंगापुर गया। विभाग से आवश्यक अनुमति, वीसा इत्यादि दस्तावेजों की उपलब्धता सुनिश्चित होने के उपरांत मैंने उत्साह से लबरेज़ होकर 23 दिसंबर की मध्यरात्रि मुम्बई से सिंगापुर के लिए उड़ान भरी और करीब 6 घंटे की उड़ान के उपरांत वहां के समयानुसार अगली सुबह 9 बजे विमान सिंगापुर के भव्य चांगी एयरपोर्ट पर उतरा।

शहर सह देश के धरातल पर कदम रखते ही साफ सुथरी चौड़ी सड़कों, सुव्यवस्थित ट्रैफिक, सड़कों के किनारे लगे हरे भरे बड़े वृक्षों, अट्टालिकाओं के चहुंओर लगे लहलहाते चमकदार पौधों ने प्रथमदृष्टया ही मेरा मन मोह लिया तथा इस देश के प्रति मेरा first impression बहुत ही अच्छा रहा। जिस देश की अधिकांश जनता सार्वजनिक परिवहन यथा ट्रेनों और बसों का उपयोग करती हो, जो कि समय की पाबन्दी और विशेषकर स्वच्छता के लिए जानी जाती हो, वहाँ इस बात पर कतई आश्चर्य नहीं होता कि सिंगापुर की सभी सार्वजनिक परिवहन में कुछ भी खाना और पीना सख्त मना है तथा उल्लंघन करने वालों पर कड़ा आर्थिक जुर्माना भी है।

आश्चर्यजनक किन्तु सत्य है कि इन सभी कड़े नियम-कायदों का पालन कराने के लिए वहाँ कहीं भी पुलिस बल तैनात नहीं दिखता, अपितु सभी सार्वजनिक स्थान, सभी सड़कों इत्यादि का अवलोकन CCTV के महाजाल के माध्यम से किया जाता है तथा नागरिकों की सहभागिता भी सिंगापुर सरीखे राष्ट्र को श्रेष्ठतम बनाने में अतुल्य योगदान देती है। स्वच्छता की मिसाल ऐसी कि पीने के लिए किसी भी नल का पानी सीधे पिया जा सकता है।

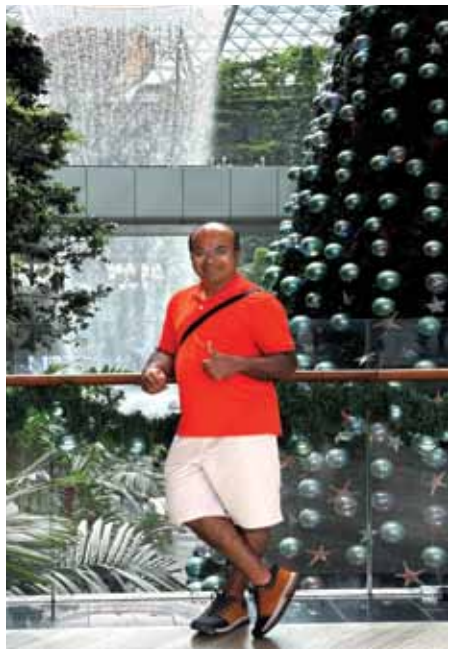

उपयोग के बाद चप्पल जूतों के तल्ले पर रज कण भी नहीं दिखता।

चुस्त मेट्रो नेटवर्क में सफर के दौरान मैंने पाया कि विभिन्न उद्घोषणाएं अंग्रेज़ी, चीनी, मलय भाषाओं के साथ साथ तमिल भाषा में भी हो रही हैं, साथ ही सभी संकेतक भी अन्य लिपियों के साथ तमिल लिपि में भी लिखे हैं। यहाँ यह बताना अति आवश्यक है कि तमिल भाषा सिंगापुर की कई आधिकारिक भाषाओं में से एक है जो कि हम सभी भारतीयों के लिए विशेषकर वहाँ निवासरत काफी संख्या में मौजूद तमिल भाषियों के लिए अत्यंत ही गर्व का विषय है। स्वदेश में साइकिल चलाने का शौक रखना मेरे लिए काफी हितकारी सिद्ध हुआ क्योंकि जहाँ साइकिल चलाने के लिए अलग ही ट्रैक बना हो जिस पर मोटर गाड़ी चलाना सरासर प्रतिबंधित हो, वहां साइकिलिंग का एक अलग ही मज़ा है। अतः शहर का काफी रास्ता मैंने साइकिल से ही नापा।

सिंगापुर देश की परिधि में केवल सिंगापुर शहर ही है, यानी सिंगापुर एक देश भी है और एक महानगर भी है, उसका क्षेत्रफल हमारे देश के दिल्ली, बम्बई जैसे महानगरों के सापेक्ष ही है। तुलनात्मक रूप से भूमध्य रेखा के पास स्थित होने व जलवायु के हिसाब से प्राकृतिक ठंडकता का विशेष महत्त्व सिंगापुर में भली भांति महसूस किया जा सकता है।

जहां हमारे देश के तटीय महानगर केवल कंक्रीट के जंगल बनकर रह गए हैं तथा उमस भरे वातावरण से दैनिक जीवन बेहाल करने वाला होता है, वहीं सिंगापुर में शहरी संरचना के साथ प्राकृतिक संपदा को भी सहेजकर रखा गया है जिससे मौसम अनुकूल बना रहे।यह उन्नत देश काफी महंगा है। जिसका मुख्य कारण यह हो सकता है कि उस देश मे जीवनोपयोगी अधिकांश वस्तुएं आस पास के देशों यथा मलेशिया, भारत इत्यादि से आयातित की जाती हैं क्योंकि सिंगापुर में किसी चीज का उत्पादन नहीं होता।मेरे 9 दिवसीय सिंगापुर प्रवास के दौरान मैंने पाया कि वहाँ की हर एक बात, हर एक चीज, शहर का हर एक कोना काबिल-ए-तारीफ था जिसे उत्कृष्ट बनाने में वहाँ के निवासियों का योगदान अतुलनीय है।काफी अनुभव लिए, काफी अनुभव लेना शेष है, अतः सिंगापुर की दूसरी यात्रा बहुप्रतीक्षित है।

प्रवीर ठाकुर
सहायक अभियंता, सिविल संभाग,
ट्रांसमिशन कंपनी बिलासपुर

शरीर शौष्ठव एवं भारोतोल्लन में कर्मियों ने दिखाया दम

कोरबा पश्चिम| क्षेत्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद, हसदेव ताप विद्युत गृह के तत्वावधान में अंतरक्षेत्रीय पॉवर कंपनीज शरीर शौष्ठव एवं भारोतोल्लन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस)मड़वा के चार खिलाड़ियों ने पांच पदक जीते। शक्तितोल्लन प्रतियोगिता के 59 कि.ग्रा भार वर्ग में श्री राजकुमार पाटकर, 66 कि.ग्रा भार वर्ग में श्री बलराम वस्त्रकार, 74 कि.ग्रा भारवर्ग में श्री राकेश नायक, 83 कि.ग्रा भारवर्ग में श्री तेजुराम नेताम, 93 कि.ग्रा भारवर्ग में श्री संजय राठौर 105 कि.ग्रा भारवर्ग

में श्री राज वासनिक, 120 कि.ग्रा भार वर्ग में श्री महेन्द्र साहू ने प्रथम प्राप्त किया। इसी तरह शरीर शौष्ठव प्रतियोगिता के ग्रुप-एक श्रेणी में श्री राजेंद्र कुमार दुर्गकर, ग्रुप-दो श्रेणी में श्री विजय बहादुर सिंह, ग्रुप-तीन श्रेणी में श्री टिकेश साहू एवं ग्रुप-चार श्रेणी में श्री एडविन राड्रिक्स को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुए। इसी अनुक्रम में ओवरऑल कैटेगरी में डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के "दुर्ग संभाग" की टीम को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। "स्ट्रांगमैन" का खिताब श्री बलराम वस्त्रकार और "चैंपियन ऑफ चैंपियनशिप का खिताब श्री टिकेश साहू को प्राप्त हुआ।

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक मुद्रण/प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है - मुद्रक

मन्नतें

श्रीमती निवेदिता ए. राघवन
कार्यालय सहायक श्रेणी-1
कार्या. अधीक्षण अभियंता (वृत्त)
डिस्ट्रीब्यूशन-गुढ़ियारी, रायपुर

बीज, कोपल, कलियाँ, फूल, सब चाहिए था।
रोशनी, रंग, मिठास, प्यास, प्यार सब चाहिए था।
रूठना, मनाना, बेपरवाही, सलीका सब चाहिए था।
सूरज, चाँद, तारे, दिन-रात सारे सब चाहिए था।
इतनी मन्नतें की थी मैंने, तब बेटी मुझे मिली ।।

दूध की कटोरी, छोटी सी, गिलसिया सब चाहिए था।
फीते का फूल, मेहंदी का कोन सब चाहिए था।
ऊषा की धूप, देवी का रूप, सब चाहिए था।
इतनी मन्नतें की थी मैंने, तब बेटी मुझे मिली ।।

आम-अचार, इमली, नींबू चटनी, सब चाहिए था।
रंगोली-झालर, पटाखे, गुजिया, अनरसा, मठरी सब चाहिए था।
होली, राखी, नवरात्रि, तीज, चौथ, दिवाली सब चाहिए था।
इतनी मन्नतें की थी मैंने, तब बेटी मुझे मिली ।।

और अनगिनत रंग, खुशबू अभी देखनी है।
हैरान हूँ कुछ लोग, बेटी क्यूँ नहीं चाहते ?
क्यूँ नहीं चाहते, जिन्दगी के,
इतने रंगों से सराबोर हो जाना ?

फिर एक दिन ये बेटियों को ही, बहुएँ बना लाएंगे।
जो चिरैया की चहचहाहट, नहीं चाहते थे।
वो ही बेजुबान-बेचारी, बहुएँ चाहते हैं।।

बेरंग-बेमजा जिन्दगी को एक बार फिर,
बेरंग-बेमजा कर देते हैं।
पता नहीं कैसे मगर, जिन्दगी का लुत्फ लेते हैं।
पता नहीं कैसे मगर, जिन्दगी का मजा लेते हैं।।

कुर्यात् सदा मंगलम्

शैलजा संग नवनीत

हसदेव ताप विद्युत संयंत्र कोरबा पश्चिम में पदस्थ मुख्य रसायनज्ञ श्री जेआर वर्मा की सुपुत्री सौ.कां. शैलजा का शुभविवाह दिल्ली निवासी श्री देवेन्दर सिंह धीमन के सुपुत्र चि. नवनीत के साथ 04 दिसंबर 2022 को कोरबा में सोल्लास संपन्न हुआ।
मंगलकामनाएं एवं हार्दिक बधाई...

डॉ. राहुल संग डॉ. निधि

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (सं/संधा) कार्यालय में स्टॉफ ऑफिसर श्री सोगेन्द्र इन्दू वर्मा के सुपुत्र डॉ. राहुल वर्मा, डीएम (एडिक्शन साइकाइट्रिस्ट) निम्हान्स बेंगलुरू का विवाह डॉ. निधि चंद्राकर एमडी रेडियोडायग्नोसिस के साथ 22 फरवरी 2023 को भिलाई में सानंद सम्पन्न हुआ । हार्दिक बधाई...

अंकित संग सुरभि

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के कर्मशाला संभाग भिलाई में पदस्थ श्री अंकित पुरी गोस्वामी, परिचारक श्रेणी-3 का शुभविवाह सौ.का.सुरभि गोस्वामी पिता श्री संजय गोस्वामी बिलासपुर के साथ 04 दिसंबर 2022 को बिलासपुर में एवं आशीर्वाद समारोह भिलाई में सोल्लास संपंन्न हुआ।
बधाई

जुड़वां बहनें नायरा-अमायरा रहीं प्रथम

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्टीब्यूशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (अंबिकापुर) कार्यालय में कार्यरत श्रीमती अमृता तिर्की, कार्यालय सहायक श्रेणी-दो की दो जुड़वां बेटी नायरा लकरा एवं अमायरा लकरा ने नर्सरी कक्षा में स्कूल में संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। बधाई

प्रशांत वर्मा को गेट में 34वां रैंक

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा के कार्यालय अधीक्षण अभियंता (एएचपी) में पदस्थ कनिष्ठ अभियंता श्री प्रशांत कुमार वर्मा ने अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित गेट परीक्षा 2023 में रैंक-34 प्राप्त कर विद्युत कंपनी को गौरवान्वित किया है। शुभकामनाएं

संकल्प की प्रतियां प्राप्त करना अब और हुआ आसान

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की गृहपत्रिका संकल्प प्राप्त करना अब और आसान हो गया है। केवल आपको नीचे दिये गए क्यूआर कोड को अपने मोबाइल से स्कैन करना होगा, इसके बाद आपको सीधे वेबसाइट का लिंक प्राप्त हो जाएगा, जहां से न केवल संकल्प की नवीनतम प्रति का पीडीएफ डाउनलोड किया जा सकेगा, बल्कि पुराने अंकों को भी डाउनलोड करके पढ़ा जा सकेगा।

पॉवर कंपनी की गृहपत्रिका का प्रकाशन 20 वर्षों से हो रहा है। इसे पॉवर कंपनीज के सभी कार्यालयों में अधिकारियों के पास भेजा जाता है किन्तु बहुत से अधिकारी–कर्मचारियों तक प्रतियां भेज पाना संभव नहीं हो पाता था। साथ ही सेवानिवृत्त कर्मचारी इसे देख नहीं पाते थे।

अब संकल्प की पीडीएफ www.cspc.co.in में अपलोड की जाएगी। कोई पाठक इस क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन करके संकल्प का नवीनतम अंक अपने मोबाइल पर ही देख सकेंगे। साथ ही संकल्प को और बेहतर बनाने के लिए पाठकों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

– संपादक

संकल्प पत्रिका प्राप्त करने के लिये स्थायी क्यूआर कोड

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी, डंगनिया, रायपुर

▪ फोन: 0771-2574702 ▪ E-mail: procsphcl@gmail.com